दैनिक
बुद्ध का संदेश
हिन्दी समाचार पत्र
एक विश्वास....

स्कैल्प सीरम का इस्तेमाल करने ...8

सिद्धार्थनगर
शनिवार , 04 जलाई 2026
वर्ष: 13 अंक : 202 पृष्ठ: 8
आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित ।

सम्पादक : राजेश शर्मा

दैनिक बुद्ध का संदेश 8795951917, 9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

पहचान के संकट से निकलकर यूपी बना देश की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्था: सीएम योगी का दावा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि पिछले नौ सालों में राज्य ने बीमारू राज्यों की श्रेणी से निकलकर भारत की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनने का सफर तय किया है। उन्होंने इस बदलाव का श्रेय अच्छे शासन, टीम वर्क और टेक्नोलॉजी के प्रभावी इस्तेमाल को दिया। डॉ. राम मनोहर लोहिया उत्तर प्रदेश प्रशासन एवं प्रबंधन अकादमी के नए अत्याधुनिक परिसर के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले नौ वर्षों में राज्य की विकास यात्रा शासन और लोगों की सोच में आए बदलाव को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि पिछले नौ सालों में, उत्तर प्रदेश उस पहचान के संकट से बाहर निकल आया है जिसका सामना उसे कभी करना पड़ा था। आज राज्य ने खुद को उन राज्यों की श्रेणी में स्थापित कर लिया है, जहाँ न तो सरकार, न ही प्रशासनिक तंत्र और न ही जनता को पहचान के संकट का सामना करना पड़ता है। राज्य की आर्थिक प्रगति का जिक्र करते हुए ब्ड योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश देश की सबसे पिछड़ी पाँच अर्थव्यवस्थाओं की श्रेणी से निकलकर शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो गया है। इसने श्बीमारूश राज्य के ठप्पे से मुक्ति पाई है, सुरक्षा और सुशासन के नए मानक स्थापित किए हैं, भीड़–भाड़ के प्रभावी प्रबंधन का उदाहरण पेश किया है और यह दिखाया है कि तकनीक किस तरह आम नागरिकों के जीवन को बदल सकती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शासन का स्वरूप न केवल राजनीतिक नेतृत्व से, बल्कि प्रशासनिक तंत्र के कामकाज से भी तय होता है। उन्होंने कहा कि किसी भी सरकार के बारे में जनता की राय प्रशासनिक तंत्र के कामकाज से बनती है। नौकरशाही सरकार और जनता के बीच एक पुल का काम करती है। जब यह पुल प्रभावी ढंग से काम करता है, तो सरकारी योजनाएं लाभार्थियों तक पहुंचती हैं और लोगों की सोच बदलती है। पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम में सुधारों का जिक्र करते हुए, सीएम योगी ने कहा कि 2017 से पहले राशन वितरण को लेकर शिकायतें आम थीं, लेकिन म–च्वै मशीनें आने के बाद इनमें काफी कमी आई। उन्होंने कहा कि हमने म–च्वै मशीनें लगाईं और शिकायतें बंद हो गईं। टेक्नोलॉजी ने आम आदमी की समस्या का समाधान किया।

राम भक्तों की श्रद्धा को आघात...
संघ ने जारी किया बयान, जानें क्या कहा ?

नई दिल्ली। अयोध्या राम मंदिर में दान के कथित गबन पर प्रतिक्रिया देते हुए, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के महासचिव दत्तात्रेय होसबोले ने इस घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया और हिंदू समुदाय से इस मुश्किल समय में धैर्य और संयम बरतने की अपील की। होसाबले ने कहा, अयोध्या में श्री राम लल्ला मंदिर में रखे दान–पात्रों से चोरी की दुर्भाग्यपूर्ण घटना ने पूरे समाज और राम भक्तों की भावनाओं और श्रद्धा को आहत किया है, और हम सभी इस घटना से दुखी हैं। राम मंदिर में दान में कथित हेराफेरी का मामला 7 जून को सामने आया। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा गठित SIT की शुरुआती रिपोर्ट के आधार पर 25 जून को FIR दर्ज की गई। मंदिर में दान की गिनती की प्रक्रिया से जुड़े आठ लोगों को अब तक गिरफ्तार किया जा चुका है और जांच जारी है। एसआईटी की अगुवाई में हो रही जांच के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, ष्यह पक्का करना जरूरी है कि जांच में जो भी दोषी पाया जाए, उसे कड़ी सजा मिले। RSS का रुख बताते हुए श्री होसबोले ने कहा, ष्इस बेहद निंदनीय घटना को एक अपवाद के तौर पर देखा जाना चाहिए और इंतजामों व कामकाज में मौजूद सभी कमियों को दूर करने के लिए पूरी गंभीरता से असरदार कदम उठाए जाने चाहिए, ताकि अयोध्या मंदिर में करोड़ों राम भक्तों का भरोसा और श्रद्धा अटूट और अडिग बनी रहे।

राम मंदिर चंदे पर संग्राम: बीजेपी बोली एसआईटी पर भरोसा रखें
विपक्ष का पलटवार–असली चेहरा बेनकाब

अयोध्या। राम जन्मभूमि मंदिर के लिए मिले दान में कथित हेराफेरी के मामले ने उत्तर प्रदेश में जबरदस्त राजनीतिक हलचल मचा दी है। विपक्ष ने सत्ताधारी बीजेपी पर तीखा हमला बोला है, जबकि सरकार का कहना है कि मामले की पारदर्शी जांच चल रही है। इस मामले पर ।छप् से बात करते हुए बीजेपी सांसद दिनेश शर्मा ने भरोसा दिलाया कि राज्य सरकार ने तुरंत कार्रवाई की है। शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री ने ैप्ज जांच के आदेश दिए हैं। ैप्ज जांच चल रही है और पूरी पारदर्शिता के साथ जांच की जा रही है। लोगों को इंतजार करना चाहिए और भरोसा रखना चाहिए। राज्य के कैबिनेट मंत्री संजय निषाद ने ।छप् से कहा कि पिछली सरकारों के उलट, मौजूदा सरकार भ्रष्टाचार को छिपा नहीं रही है। निषाद ने ANI से कहा भ्रष्टाचार पहले भी होता था, लेकिन सब कुछ दबा दिया जाता था। ख्भ्रष्ट लोगों को, संरक्षण मिलता था। हालांकि, हमारे कार्यकाल में ऐसे मामलों का खुलासा हो रहा है और दोषियों को सजा दी जा रही है। जांच पर भरोसा रखना चाहिए। आरोपियों को बचाने और जनता को गुमराह करने वाले बयान देने के बजाय, भ्रष्टाचार के खिलाफ की जा रही कार्रवाई का समर्थन करना चाहिए। उन्होंने आगे कहा जब तक फाइल बंद नहीं हो जाती, जांच एक खास प्रक्रिया के तहत चलती है। बिना सबूत के किसी पर आरोप नहीं लगाया जा सकता।

नई दिल्ली में संसदीय समिति की बैठक में शामिल हुए सांसद जगदंबिका पाल

दैनिक बुद्ध का संदेश

नई दिल्ली। सांसद जगदंबिका पाल ने शुक्रवार को नई दिल्ली में आयोजित विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन संबंधी विभागीय संसदीय स्थायी समिति की बैठक में भाग लिया। बैठक में हिमालयी क्षेत्र में बढ़ती वनाग्नि, उसके दुष्प्रभाव और रोकथाम के उपायों पर विस्तृत चर्चा की गई।बैठक में विशेषज्ञों, वैज्ञानिकों और संबंधित हितधारकों ने वनाग्नि की घटनाओं, उनके पर्यावरण, जैव विविधता, वन्यजीवों, स्थानीय जनजीवन और जलवायु पर पड़ने वाले प्रभावों के संबंध में प्रस्तुतीकरण दिया। साथ ही आधुनिक तकनीक, .त्रिम बुद्धिमत्ता (एआइ) आधारित निगरानी प्रणाली, प्रारंभिक चेतावनी तंत्र, आपदा प्रबंधन क्षमता और विभागीय समन्वय को मजबूत बनाने पर विचार–विमर्श हुआ।सांसद जगदंबिका पाल ने कहा कि हिमालयी क्षेत्र देश की अमूल्य प्रा.तिक धरोहर है, जिसके संरक्षण के लिए प्रभावी नीतियों और जनसहभागिता दोनों की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि संसदीय स्थायी समितियों में होने वाला विषय आधारित विमर्श पर्यावरण संरक्षण और आपदा प्रबंधन को मजबूत करने वाली दूरदर्शी नीतियों के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

अयोध्या राम मंदिर भूमि घोटाला: केजरीवाल का आरोप– 2 करोड़ की जमीन 18 करोड़ में बेची गई!

अयोध्या में राम मंदिर के लिए मिले चंदे में कथित हेराफेरी को लेकर चल रहे विवाद के बीच, आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी और राम मंदिर तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट पर निशाना साधा। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने आरोप लगाया कि वित्तीय अनियमितताएं 2021 से हो रही थीं और उन्होंने राम मंदिर तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट द्वारा जमीन की बढ़ी हुई कीमतों पर खरीद के कथित मामलों का जिक्र किया। उन्होंने आरोप लगाया कि यह चोरी अभी शुरू नहीं हुई हैय यह 2021 में ही शुरू हो गई थी। जमीन का एक बड़ा घोटाला हुआ था। 2 करोड़ रुपये की कीमत वाली जमीन का एक टुकड़ा मंदिर ट्रस्ट को 10 मिनट के अंदर 18 करोड़ रुपये में बेच दिया गया। इसी तरह, 3 करोड़ रुपये की जमीन 24 करोड़ रुपये में, 9 करोड़ रुपये की जमीन 55 करोड़ रुपये में और 14 करोड़ रुपये की जमीन 95 करोड़ रुपये में खरीदी गई। इन लेन–देन के दस्तावेज सार्वजनिक हैं। केजरीवाल ने मंदिर के निर्माण के लिए कॉन्ट्रैक्ट देने में भी गड़बड़ी का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि जब मंदिर का निर्माण शुरू हुआ, तो ऐसी खबरें आईं कि इंजीनियरों ने बताया कि हर टेंडर पर 40 प्रतिशत कमीशन लिया गया। इस तरह उन्होंने भगवान को

अमरनाथ यात्रा पर पीएम मोदी का खास मैसेज, श्रद्धालुओं को दिए ये 5 जरूरी संकल्प

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को अमरनाथ

यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए एक खास मैसेज शेयर किया। उन्होंने इस यात्रा को भारत की संस्कृति और एकता का एक ऐसा हिस्सा बताया जो कभी खत्म नहीं हो सकता। पीएममोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि बाबा बर्फानी की यह यात्रा हमारी परंपराओं को जोड़ती है। उन्होंने दुआ की कि सभी शिव भक्तों की यह यात्रा सुरक्षित और बहुत अच्छी रहे। सोशल मीडिया पर शेयर किया पत्रः पीएम मोदी ने पोस्ट के साथ एक लेटर की तस्वीरें भी शेयर कीं। इस लेटर में उन्होंने यात्रियों के लिए 5 जरूरी बातें बताई हैं। उन्होंने कहा कि अमरनाथ यात्रा सिर्फ एक धार्मिक यात्रा नहीं है, बल्कि यह एक भारत, श्रेष्ठ भारत की मिसाल है, जहां पूरे देश से अलग–अलग भाषाओं और राज्यों के लोग भगवान शिव की भक्ति में एक साथ आते हैं। इसके साथ ही उन्होंने कश्मीर के लोगों की भी तारीफ की जो हर साल दिल खोलकर यात्रियों का स्वागत करते हैं। यात्रा को सफल बनाने वालों का शुक्रियाः प्रधानमंत्री ने सेना, पुलिस, डॉक्टरों, सफाई कर्मचारियों और लोकल प्रशासन का दिल से धन्यवाद किया, जो दिन–रात काम करके इस यात्रा को सुरक्षित और आसान बनाते हैं।

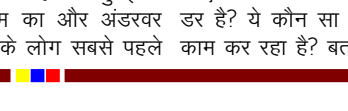

निकाह हलाला की आड़ में नाबालिग से गैंग रेप ? हाई कोट ने लगाई फटकार

इलाहाबाद हाई कोर्ट ने कहा है कि निकाह हलाला और तीन तलाक जैसी प्रथाओं की आड़ में महिलाओं का यौन शोषण नहीं होने दिया जा सकता। कोर्ट ने यह भी कहा कि पर्सनल लॉ (निजी कानूनों) की आड़ में अपराधों को संरक्षण नहीं दिया जा सकता। जस्टिस जेजे मुनीर और जस्टिस तरुण सक्सेना की डिवीजन बेंच ने यह टिप्पणी तब की जब वे एक महिला के पूर्व पति, एक मौलवी, रिश्तेदारों और अन्य आरोपियों की उन याचिकाओं को खारिज कर रहे थे जिनमें उनके खिलाफ दर्ज थ्प्त को रद्द करने और गिरफ्तारी पर रोक लगाने की मांग की गई थी। यह मामला उत्तर प्रदेश के अमरोहा जिले का है, जहां एक महिला ने कम उम्र में शादी, तीन तलाक, निकाह हलाला और दोबारा शादी की आड़ में बार–बार यौन शोषण का आरोप लगाया था। निकाह हलाला के तहत, तलाकशुदा महिला को अपने पूर्व पति से दोबारा शादी करने से पहले किसी दूसरे पुरुष से शादी करनी होती है और फिर उससे अलग होना पड़ता है। ट्रिपल तलाक, जिसे शतलाक–ए–बिद्दतश भी कहा जाता है, एक ऐसी प्रथा है जिसमें मुस्लिम पुरुष एक ही बार में तीन बार ष्तलाकष कहकर अपनी पत्नी को तलाक दे देता है। भारत में 2019 में इस प्रथा को गैर–कानूनी घोषित कर दिया गया था।

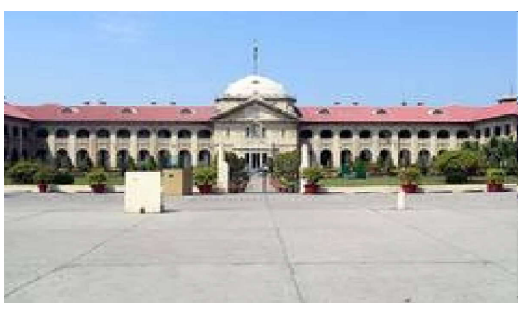

आरोपी की दलीलों को खारिज करते हुए, हाई कोर्ट ने कहा कि आरोपों से बहुत गंभीर प्रकृति के तथ्य सामने आए हैं और प्रथम दृष्टया ये कानून के खिलाफ लगते हैं। बेंच ने कहा कि इस मामले में अपनाई गई कथित प्रथाएं समाज के लिए एक ष्काला अध्यायष हैं और ये संवैधानिक मूल्यों, समानता और मानवीय गरिमा के खिलाफ हैं। अदालत ने कहा कि ये हरकतें न सिर्फ कानून की आड़ में किए गए अपराध हैं, बल्कि समाज की सामूहिक अंतरात्मा को भी झकझोर देती हैं। साथ ही, अदालत ने यह भी कहा कि आपराधिक गतिविधियों को बचाने के लिए पर्सनल लॉ (व्यक्तिगत कानूनों) का इस्तेमाल ढाल के तौर पर नहीं किया जा सकता। हाई कोर्ट उन याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा था जिनमें शनिकाह हलालाश और उससे जुड़ी प्रथाओं के कथित गलत इस्तेमाल के जरिए एक महिला के यौन शोषण के आरोप में नौ लोगों के खिलाफ दर्ज थ्प्त को रद्द करने की मांग की गई थी। आरोपियों ने केस की सुनवाई के दौरान गिरफ्तारी से सुरक्षा की भी मांग की थी। हालांकि, कोर्ट को इस चरण पर जांच में दखल देने का कोई आधार नहीं मिला। कोर्ट ने कहा कि रिकॉर्ड पर मौजूद सामग्री से प्रथम दृष्टया एक नाबालिग के साथ सुनियोजित गैंगरेप का मामला लगता है और इसकी गहन जांच जरूरी है। FIR के मुताबिक, शिकायत करने वाली महिला को अप्रैल 2015 में, जब वह लगभग 15 साल की थी, कथित तौर पर अजहर नवाज से शादी करने के लिए मजबूर किया गया था। जनवरी 2016 में अजहर द्वारा कथित तौर पर तीन तलाकध देने के बाद, उसे 2017 में अजहर से दोबारा शादी करने से पहले मौलाना कध्य्यूम के साथ निकाह हलाला करने के लिए मजबूर किया गया। श्लॉबीटश (सूंठमंज) की रिपोर्ट के अनुसार, हाई कोर्ट ने गौर किया कि पहले हलाला के समय वह नाबालिग रही होगी। एफआईआर में यह भी आरोप लगाया गया है कि 2021 में एक और तलाकध के बाद, अजहर ने सुलह की कोशिश की।

संसद में होगी आर–पार की लड़ाई
कई अहम बिल लाने की तैयारी में मोदी सरकार!

नई दिल्ली। संसद के मॉनसून सत्र में जबरदस्त राजनीतिक टकराव की उम्मीद है, जो 20 जुलाई से 13 अगस्त तक चलने की संभावना है। सूत्रों के अनुसार, चार हफ्ते के इस सत्र में 19 बैठकें हो सकती हैं। कई क्षेत्रीय पार्टियों में हो रहे राजनीतिक बदलावों और सरकार को घेरने की तैयारी कर रहे आक्रामक विपक्ष के कारण, इस सत्र के काफी हंगामेदार रहने की उम्मीद है। सत्र शुरू होने से पहले, लोकसभा स्पीकर बागी तृणमूल कांग्रेस (ज्डब्) के 20 सांसदों और शिवसेना के छह सांसदों के शिवसेना (शिंदे गुट) में विलय के मामले पर फैसला ले सकते हैं। लोकसभा में इन बागी सांसदों के बैठने की व्यवस्था पर भी फैसला होने की संभावना है। एनडीए सरकार, जो दो–तिहाई बहुमत हासिल करने के करीब है, इस सत्र के दौरान कई अहम कानून पास कराने की तैयारी कर रही है, जिनमें संविधान संशोधन के दो बिल भी शामिल हैं। सरकार महिलाओं के लिए आरक्षण और परिसीमन से जुड़े 131वें संविधान संशोधन बिल को प्रस्तावित संशोधनों के साथ फिर से पेश कर सकती है। इस संशोधित बिल में लोकसभा और राज्य विधानसभाओं की सीटों की संख्या 50ः तक बढ़ाने का प्रावधान शामिल हो सकता है। 130वें संविधान संशोधन बिल में यह प्रस्ताव हो सकता है कि अगर प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और मंत्री 30 दिन से ज्यादा समय तक जेल में रहते हैं, तो उन्हें अपना पद छोड़ना होगा।

सुप्रीम कोर्ट भी बीजेपी के अधीन काम कर रहा है
राम मंदिर मुद्दे पर संजय राउत का बड़ा बयान

मुंबई। अयोध्या के राम मंदिर निर्माण के चंदे में हुई कथित धोखाधड़ी का मामला इन दिनों काफी गरमाया हुआ है। इस पूरे प्रकरण की तफ्तीश में जुटी एसआईटी अब तक आठ आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। इस बीच, पूरे विवाद पर शिवसेना के दिग्गज नेता संजय राउत की प्रतिक्रिया आई है, जिसमें उन्होंने सीधे तौर पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को आड़े हाथों लिया है। संजय राउत ने कहा कि देखिए कांग्रेस पार्टी की नहीं पूरी देश की भावना है। अब सुप्रीम कोर्ट के निगरानी में जांच होगी तो सुप्रीम कोर्ट निष्पक्ष है क्या? सुप्रीम कोर्ट भी उनके नीचे काम कर रहा है ना। मैं तो कहूंगा मुंबई हाई कोर्ट के जो जज है माधव जामदार उनके निगरानी में जांच होनी चाहिए। अब बहुत कम लोग बच्चे इस देश के न्याय व्यवस्था में। राउत ने कहा कि हां जो चाहते हैं कि ये सब साफ हो जाए। जिस तरह से अयोध्या अयोध्या जो है एक तीर्थ क्षेत्र रहा राम की अयोध्या रही उसका अब अंडरवर बन गया है जो मुंबई में अंडरवर है ना गुंडुम का और अंडरवर चलाने वाले बीजेपी के लोग सबसे पहले डाका डाला है राम मंदिर पे अब कोई एक मुसलमान पैदा करेंगे पाकिस्तान से और बोलेंगे उनका हाथ था उसमें वह बम डालने को आएगा उसके पास आरडीएक्स है टेरर अटैक करेगा। लूटा किसने है? यह बीजेपी के महमूद गजनवी ने अंडरव चला रहे लोग। मुझे तो आश्चर्य होता है कि बृजभूषण शरण सिंह जैसे जो नेता है जो कभी किसी को डरते नहीं वो नेताजी ने भी कहा कि मुझे डर लगता है नाम लेने। वो जो अपने आप को भगवान मानने वाले भागेश्वर बाबा बोलते हैं मुझे भी डर लगता है। शिवसेना यूबीटी नेता ने कहा कि मेरी हत्या हो जाएगी अगर मैंने नाम लिया तो ये किसका डर है? ये कौन सा अंडरवर अयोध्या में काम कर रहा है? बताइए।

खेसरहा में एंटी रोमियो स्क्वाड का अभियान ग्रामीण महिलाओं को किया जागरूक

दैनिक बुद्ध का संदेश

खेसरहा। मिशन शक्ति फेज–5.0 (द्वितीय चरण) के तहत शुक्रवार को जनपदीय एंटी रोमियो स्क्वाड ने खेसरहा थाना क्षेत्र के विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर सघन चेकिंग अभियान चलाया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के मार्गदर्शन तथा क्षेत्राधिकारी सदर विश्वजीत सौरयान के पर्यवेक्षण में प्रभारी एंटी रोमियो स्क्वाड उपनिरीक्षक मीरा चौहान के नेतृत्व में टीम ने बेलौहा तिराहा, कुडजा तिराहा, सेमरहना, बंसी बाजार और सोनखर सहित अन्य भीड़भाड़ वाले स्थानों पर निगरानी की।अभियान के दौरान महिलाओं और बालिकाओं को उनकी सुरक्षा के लिए संचालित हेल्पलाइन नंबर 1090, 1098, 112, 181, 1930, 108 और 102 की जानकारी देते हुए किसी भी आपात स्थिति में तत्काल इनका उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया। टीम ने बाजारों और चौराहों पर महिला दुकानदारों से बातचीत कर मनचलों एवं संदिग्ध व्यक्तियों की गतिविधियों के संबंध में जानकारी भी जुटाई।पुलिस ने मुख्य सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर गहन चेकिंग की। अभियान के दौरान कहीं भी कोई अप्रिय स्थिति सामने नहीं आई। पुलिस ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा और अपराध की रोकथाम के लिए ऐसे अभियान आगे भी लगातार चलाए जाते रहेंगे।

पोखरा सुंदरीकरण गेट हादसे पर बड़ा एक्शन, प्रधान पर एफआईआर, सचिव व कंसल्टिंग इंजीनियर निलंबित

दैनिक बुद्ध का संदेश

शेखफरेंदा। नौतनवा महराजगंज। पोखरा सुंदरीकरण के तहत निर्मित गेट हादसे के मामले में प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। मामले को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी गौरव सिंह सोगरवाल ने ग्राम प्रधान के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए हैं। साथ ही ग्राम सचिव और कंसल्टिंग इंजीनियर को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।जिलाधिकारी ने पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच के लिए एक उच्चस्तरीय जांच समिति का गठन भी किया है। समिति को निर्माण कार्य की गुणवत्ता, तकनीकी मानकों के पालन तथा हादसे के लिए जिम्मेदार अधिकारियों एवं संबंधित लोगों की भूमिका की विस्तृत जांच कर शीघ्र रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।प्रशासन का कहना है कि जांच रिपोर्ट के आधार पर दोषी पाए जाने वाले अन्य व्यक्तियों के खिलाफ भी कठोर कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि विकास कार्यों में लापरवाही, भ्रष्टाचार या गुणवत्ता से समझौता किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

नेपाल तस्करी को जा रही खाद की खेप पकड़ी, पांच तस्कर गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

नौतनवा/महराजगंज। भारत–नेपाल सीमा पर तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत नौतनवा पुलिस ने शुक्रवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए नेपाल ले जाई जा रही खाद की खेप बरामद की। पुलिस ने मौके से पांच तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से पांच बोरी भारतीय यूरिया खाद, एक बोरी सिंगल सुपर फॉस्फेट, पांच साइकिलें बरामद की हैं।पुलिस के अनुसार, एसपी शशि मोहन अवस्थी के निर्देशन में सीमा क्षेत्र में चलाए जा रहे सघन चेकिंग अभियान के दौरान मुखबिर की सूचना पर दोपहर करीब 1.34 बजे सुंडी–नौसढ़ीहा घाट पर घेराबंदी की गई। इस दौरान नेपाल की ओर खाद की तस्करी कर रहे पांच लोगों को पकड़ लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान नेपाल के रुपन्देही जिले के कोटई माइ और करमहवा थाना क्षेत्र के रहने वाले शम्भूप्रसाद, संदीप यादव, विमलेश राजभर, रामकेश राजभर तथा प्रिंस बनिया के रूप में हुई है।पुलिस ने बरामद खाद और साइकिलों को कब्जे में लेकर कस्टम अधिनियम की धारा 113 के तहत कार्रवाई करते हुए अग्रिम विधिक कार्रवाई के लिए मामला कस्टम विभाग को सौंप दिया है। कार्रवाई करने वाली टीम में उपनिरीक्षक प्रशांत दुबे, कांस्टेबल हिमांशु सिंह और कांस्टेबल प्रयाग ओझा शामिल रहे।

स्कूल चलो अभियान का शुभारंभ

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। शुक्रवार को सोहास खास स्थित पूर्व माध्यमिक विद्यालय में स्कूल चलो अभियान का शुभारंभ ग्राम प्रधान श्रीश प्रताप यादव ने हरी झंडी दिखाकर शुरुआत की। श्रीश प्रताप यादव ने कहा कि स्कूल चलो अभियान एक जागरूक करने का काम किया जा रहा है हर एक वर्ग के छात्र छात्राओं को शिक्षा की अति आवश्यक है इन्होंने ने अपील भी किया कि हर एक माता पिता से अनुरोध है कि अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दे और स्कूल जरूर पढ़ने के लिए भेजे इस अवसर पर शिक्षक भी मौजूद रहे।

खेसरहा के भूसौला आरआरसी सेंटर बना शोपीस: रास्ता न होने से उपयोग नहीं हो पा रहा, लोगो ने की जॉच की मांग

दैनिक बुद्ध का संदेश शशांक मिश्रा

सिद्धार्थनगर। विकास खंड खेसरहा के ग्राम पंचायत भूसौला में लाखों रुपये की लागत से बना आरआरसी सेंटर (कचरा संग्रह एवं संसाधन केंद्र) अनुपयोगी साबित हो रहा है। स्वच्छ भारत मिशन के तहत गांवों में कचरे के वैज्ञानिक निस्तारण और स्वच्छता व्यवस्था सुधारने के उद्देश्य से इसका निर्माण किया गया था।ग्रामीणों के अनुसार, आरआरसी सेंटर गांव से काफी दूर है और वहां तक पहुंचने के लिए कोई उचित मार्ग नहीं है। इस कारण सफाई कर्मियों के लिए कचरा केंद्र तक पहुंचाना मुश्किल हो रहा है। नतीजतन, गांव का कचरा निर्धारित स्थान पर नहीं पहुंच पा रहा है, जिससे स्वच्छता अभियान का उद्देश्य अधूरा रह गया है। ग्रामीण तुलसीराम ने बताया कि केंद्र बनने के बावजूद गांव को इसका कोई लाभ नहीं मिल रहा है। राजू ने कहा कि रास्ते के अभाव में वहां तक पहुंचना बेहद कठिन है। जगन्नाथ और भवानी शंकर ने सुझाव दिया कि यदि आरआरसी सेंटर तक सड़क या उचित मार्ग का निर्माण किया जाए, तभी इसका सही उपयोग संभव हो पाएगा।ग्राम प्रधान रूपनारायण ने इस संबंध में बताया कि आरआरसी सेंटर का निर्माण शासन की योजना के तहत हुआ है। उन्होंने स्वीकार किया कि केंद्र तक पहुंचने के मार्ग की समस्या है, जिसे संबंधित अधिकारियों के संज्ञान में लाया जाएगा। मार्ग बनने के बाद केंद्र का नियमित उपयोग सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाएगा।ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से आरआरसी सेंटर तक उचित मार्ग बनवाने और केंद्र को नियमित रूप से संचालित करने की मांग की है, ताकि स्वच्छ भारत मिशन का उद्देश्य पूरा हो सके।

मध्यान्ह भोजन शेड के पास घनी घास: खेसरहा के भूसौला प्राथमिक विद्यालय में बच्चों की सुरक्षा पर खतरा

दैनिक बुद्ध का संदेश शशांक मिश्रा

सिद्धार्थनगर। विकास खंड खेसरहा के ग्राम पंचायत भूसौला स्थित प्राथमिक विद्यालय में साफ–सफाई की स्थिति दयनीय है। विद्यालय परिसर में जगह–जगह घास–फूस का अंबार लगा हुआ है। विशेष रूप से मध्यान्ह भोजन शेड के आसपास घनी घास उग आई है, जहाँ बच्चे प्रतिदिन भोजन करते हैं। इससे बच्चों के आने–जाने के दौरान सांप, बिच्छू और अन्य जहरीले कीड़े–मकोड़ों का खतरा बना हुआ है।वहीं, अभिभावक तुलसीराम ने बच्चों के लिए सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने हेतु नियमित साफ–सफाई पर जोर दिया।अभिभावक राजू ने चेतावनी दी कि बरसात में घास तेजी से बढ़ती है और समय पर सफाई न होने पर अप्रिय घटना हो सकती है।विद्यालय के प्रधानाध्यापक सुनील पांडे ने बताया कि बरसात के कारण घास तेजी से उग आई है। उन्होंने कहा कि विद्यालय स्तर से साफ–सफाई कराने का प्रयास किया जा रहा है और इस संबंध में ग्राम पंचायत को भी सूचित किया गया है। ग्राम प्रधान रूप नारायण ने आश्वासन दिया कि विद्यालय परिसर और मध्यान्ह भोजन शेड के आसपास की घास–फूस को जल्द हटवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि बच्चों की सुरक्षा उनकी प्राथमिकता है और शीघ्र ही साफ–सफाई का कार्य कराया जाएगा।ग्रामीणों और अभिभावकों ने संबंधित अधिकारियों से विद्यालय परिसर और मध्यान्ह भोजन शेड के आसपास तत्काल साफ–सफाई कराने की मांग की है, ताकि बच्चों को स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण मिल सके।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन दो दिवसीय संगठनात्मक दौरे पर आएंगे उत्तर प्रदेश, विधानसभा चुनाव की तैयारियों पर होगा मंथन

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन 4 और 5 जुलाई को उत्तर प्रदेश के दो दिवसीय संगठनात्मक दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वह पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के सहयोगी दलों के नेताओं के साथ बैठक कर आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों की समीक्षा करेंगे। प्रदेश भाजपा की नई टीम के गठन के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष का यह पहला उत्तर प्रदेश दौरा होगा।प्रदेश भाजपा के अनुसार, नितिन नवीन शनिवार को पूर्वाह्न 11 बजे चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचेंगे, जहां पार्टी कार्यकर्ता उनका स्वागत करेंगे। इसके बाद उनका काफिला आलमबाग, टी.एन. चतुर्वेदी चौराहा, चारबाग, दीनदयाल स्मृतिका, महाराणा प्रताप चौराहा और बर्लिंगटन चौराहा होते हुए प्रदेश भाजपा मुख्यालय पहुंचेगा। मार्ग में विभिन्न स्थानों पर कार्यकर्ताओं द्वारा उनका स्वागत किया जाएगा।प्रदेश मुख्यालय पहुंचने के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रदेश पदाधिकारियों, क्षेत्रीय अध्यक्षों, प्रदेश मोर्चा अध्यक्षों और जिला अध्यक्षों के साथ संगठनात्मक बैठक करेंगे। इसके बाद वह पुराना हैदराबाद स्थित हनुमान सेतु मंदिर में पूजा–अर्चना करेंगे।दोपहर बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, दोनों उपमुख्यमंत्रियों, भाजपा सांसदों, विधायकों और विधान परिषद सदस्यों के साथ बैठक करेंगे। इसके उपरांत प्रदेश भाजपा की कोर समिति के साथ भी संगठनात्मक चर्चा करेंगे।शाम को नितिन नवीन पद्मश्री सम्मान से सम्मानित डॉ. विद्या बिंदु सिंह के आवास पर विभिन्न क्षेत्रों की प्रमुख हस्तियों से मुलाकात करेंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ रात्रिभोज करेंगे।दौरे के दूसरे दिन रविवार को राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व प्रदेश अध्यक्षों के साथ चाय पर संवाद करेंगे। इसके बाद राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के नेताओं के साथ संयुक्त बैठक करेंगे। वह उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक से अलग–अलग मुलाकात कर संगठनात्मक एवं राजनीतिक विषयों पर चर्चा करेंगे।दोपहर में नितिन नवीन राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर आयोजित शक्ति केंद्र संयोजक सम्मेलन को संबोधित करेंगे। इसके बाद वह लखनऊ के पीर नगर क्षेत्र में बूथ अध्यक्ष शिवाजी रावत के आवास पर पहुंचकर बूथ स्तर पर संगठन की गतिविधियों और आगामी कार्यक्रमों की जानकारी लेंगे।भाजपा के अनुसार, यह दौरा संगठन को और अधिक मजबूत बनाने, बूथ स्तर तक पार्टी की सक्रियता बढ़ाने तथा वर्ष 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की रणनीति को अंतिम रूप देने की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

पीएनबी गिल्ट्स ने मनाया 30वां स्थापना दिवस, भारतीय ऋण बाजार में तीन दशक के योगदान का किया स्मरण

लखनऊ, (आरएनएस)। पंजाब नेशनल बैंक की सहायक कंपनी एवं स्वतंत्र प्राथमिक डीलर पीएनबी गिल्ट्स लिमिटेड ने अपना 30वां स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर कंपनी ने भारतीय ऋण बाजार और सरकारी प्रतिभूति व्यवस्था के विकास में अपने तीन दशकों के योगदान को रेखांकित किया।वर्ष 1996 में स्थापित पीएनबी गिल्ट्स ने सरकारी प्रतिभूतियों, राजकोषीय समाधान, बाजार निर्माण, अभिग्रहण तथा ऋण पूंजी बाजार सेवाओं के माध्यम से देश के स्थिर आय बाजार को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।स्थापना दिवस समारोह में पंजाब नेशनल बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी अशोक चंद्र, पीएनबी गिल्ट्स के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी पारीद सुनील, निदेशक मंडल के सदस्य, वरिष्ठ प्रबंधन, कर्मचारी तथा अन्य विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे।कंपनी ने बताया कि उसकी कुल निवल संपत्ति लगभग 1,700 करोड़ रुपये तक पहुंच चुकी है। ऋण पूंजी बाजार कारोबार में पीएनबी गिल्ट्स ने देश के शीर्ष 10 संस्थानों में स्थान बनाया है। साथ ही, कंपनी ने शेयर बाजारों में सूचीबद्ध होने के 25 वर्ष भी सफलतापूर्वक पूरे कर लिए हैं।वित्त वर्ष 1997 से वित्त वर्ष 2026 के दौरान कंपनी ने अपनी दीर्घकालिक स्वामित्व निधि में लगभग 13 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर दर्ज की है, जो उसकी मजबूत वित्तीय स्थिति और संतुलित विकास को दर्शाती है।इस अवसर पर कहा गया कि पीएनबी गिल्ट्स की 30 वर्षों की यात्रा उत्कृष्ट कार्यप्रणाली, ग्राहक–केंद्रित दृष्टिकोण और मजबूत वित्तीय अनुशासन का परिचायक है। कंपनी ने सरकारी प्रतिभूति बाजार के विकास, नवाचार, सुदृढ़ प्रशासन, विवेकपूर्ण जोखिम प्रबंधन तथा हितधारकों के लिए दीर्घकालिक मूल्य सृजन में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।कंपनी ने यह भी बताया कि पिछले वर्षों में उसने प्रौद्योगिकी के उपयोग, प्रक्रियाओं के डिजिटलीकरण, जोखिम प्रबंधन प्रणाली को और अधिक मजबूत बनाने तथा सतत विकास संबंधी पहलों के माध्यम से अपने व्यावसायिक आधार का निरंतर विस्तार किया है।

बर्डपुर में ग्राम चौपाल, डीएम ने सुनी ग्रामीणों की समस्याएं, योजनाओं का लाभ पात्रों तक पहुंचाने के दिए निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। तहसील नौगढ़ के विकास खंड बर्डपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत बर्डपुर नं.–06 में शुक्रवार को श्ग्राम चौपाल–गांव की समस्या, गांव में समाधानश कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने की, जबकि मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह भी मौजूद रहे। ग्राम चौपाल के दौरान जिलाधिकारी ने ग्रामीणों से सीधे संवाद कर केंद्र एवं प्रदेश सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी और उनके क्रियान्वयन की समीक्षा की। ग्रामीणों ने बताया कि उन्हें सरकारी योजनाओं की जानकारी मिल रही है और पात्र लोगों को योजनाओं का लाभ भी प्राप्त हो रहा है। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया

कि प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक सभी सरकारी योजनाओं का लाभ समयबद्ध तरीके से पहुंचाया जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही या हीलाहवाली बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषी अधिकारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने श्रम विभाग की योजनाओं का उल्लेख करते हुए बताया कि मात्र 40 रुपये में श्रम कार्ड बनाया जा रहा है। श्रमिक कार्ड बनवाकर श्रमिक विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठा सकते हैं। डीएम ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली में पारदर्शिता बनाए रखने के निर्देश देते हुए कहा कि राशन वितरण में किसी प्रकार की अनियमितता नहीं होनी चाहिए। उन्होंने पात्र लोगों के आयुष्मान कार्ड बनवाने पर भी जोर दिया और बताया कि इसके माध्यम से लाभार्थियों को 5 लाख रुपये तक का निःशुल्क उपचार उपलब्ध कराया जाता है। इसके अलावा उन्होंने राजस्व विभाग को वरासत के मामलों का समयबद्ध निस्तारण करने तथा पात्र लाभार्थियों का सत्यापन कर पेंशन योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने ग्रामीणों से गांव की अन्य समस्याओं के बारे में भी जानकारी ली और उनके समाधान का भरोसा दिलाया। कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन एवं मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह ने गर्भवती महिलाओं की गोदभराई की रस्म भी संपन्न कराई। इस अवसर पर प्रभारी मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रमोद कुमार, जिला विकास अधिकारी राजमणि वर्मा, बीडीओ बर्डपुर, उप कृषि निदेशक राजेश कुमार, जिला कृषि अधिकारी रविशंकर पाण्डेय, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शैलेष कुमार, जिला पंचायत राज अधिकारी वाचस्पति झा, जिला प्रोबेशन अधिकारी विनय कुमार सिंह, अधिशासी अभियंता विद्युत ज्ञानप्रकाश, ग्राम पंचायत सचिव मनोहर लाल बरनवाल, ग्राम प्रधान प्रदीप चौधरी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

बांसी नगर पालिका में विकास कार्यों की जांच की मांग, नामित सभासद ने डीएम को सौंपा शपथपत्र

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी। आदर्श नगर पालिका बांसी के नामित सभासद मंगल प्रसाद चौरसिया ने जिलाधिकारी को शपथ पत्र देकर दर्जन भर

बिंदुओं के जांच कराए जाने की मांग की है। अपने मांग में लिखा की नगर पालिका में राजकोष के सही उपयोग, पारदर्शिता और सुशासन को अक्षुण्ण रखने हेतु प्रार्थी द्वारा विगत वर्षों के विकास कार्यों का विवरण जानने के लिए जन सूचना अधिकार अधिनियम 2006 के तहत क्रमिक आवेदन किए गए थे, लेकिन नगर पालिका प्रशासन द्वारा कोई सूचना उपलब्ध नहीं कराई गई।टी,ए, सी, जांच करवाए जाने सहित लिखा कि 20 फरवरी 2003 से 30 जून 2006 तक विभिन्न केंद्रीय/राज्यीय मदों (15वां वित्त आयोग, राज्य वित्त आयोग, अवस्थापना विकास, मुख्यमंत्री नगर सृजन योजना, प. दीनदयाल उपाध्याय योजना, नगर विकास, स्वच्छ भारत मिशन, अंत्येष्टि स्थल योजना पोखरा सौंदर्यकरण योजना डूडा, जल निकासी/जलकल योजना, टाउन फंड व अन्य विशेष अनुदान के अंतर्गत प्राप्त कुल धनराशि व उस पर अर्जित ब्याज का मदवार व माहवार विवरण शासकीय अभिलेखों से जब्त कर विशेष जांच कराई जाए। निर्माण की तकनीकी व वित्तीय जांच के सम्बन्ध में उक्त अवधि में बोर्ड द्वारा स्वीकृत निविदा प्रक्रिया के माध्यम से धरातल पर निर्माण कार्यों (सड़क, नाली, इंटरलॉकिंग, अंत्येष्टि स्थल, पार्क), पूर्व निर्मित सड़कों को स्कैप करने से फांगिग मशीन प्रकाश व्यवस्था आदि की तकनीकी (टीएस) व वित्तीय स्वीकृति (एफ एस) की प्रतियों की गहन जांच ही। इसके अलावा अन्य कई बिंदुओं की जांच कराए जाने की मांग की है। वर्षों से मनमानी तरीके से सरकारी धन का अहरण करने के अभ्यस्त हो चुके पालिका के जिम्मेदार जांच के क्रम में कौन सी प्रक्रिया अपनाते हैं देखने का विषय रहेगा।इस विषय में नामित सभासद मंगल चौरसिया ने कहा कि जांच कराऊंगा चाहे मुझे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पास क्यों न जाना पड़े।

वन महोत्सव के तहत 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान, बिशुनपुर में पौधरोपण व ग्रीन चौपाल का आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के जन्मदिवस के अवसर पर विधानसभा क्षेत्र 302 शोहरतगढ़ के ग्राम सभा लेदवा में पूर्व विधानसभा प्रत्याशी उग्रसेन सिंह के नेतृत्व में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों ने बड़ी संख्या में पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। आयोजकों के अनुसार, 1 जुलाई से शोहरतगढ़ विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों में अखिलेश यादव के जन्मदिन के उपलक्ष्य में जनहित एवं पर्यावरण संरक्षण से जुड़े कार्यक्रम लगातार आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में लेदवा गांव में तीसरे दिन भी वृक्षारोपण अभियान जारी रहा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व विधानसभा प्रत्याशी उग्रसेन सिंह ने अखिलेश यादव को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनके विचारों को जन–जन तक पहुंचाने और पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक से अधिक वृक्षारोपण करना सभी की जिम्मेदारी है। इस अवसर पर सपा जिला उपाध्यक्ष वीरेंद्र तिवारी, जिला सचिव रामू, जनार्दन यादव, गुड्डू सिंह, निजामुद्दीन, नत्थू चौधरी, घिराव गोस्वामी, हनुमान निषाद, मगनू यादव, शिव भुवाल चौधरी, केदार गुप्ता, गोविंद यादव, सुदामा गोस्वामी, कल चौधरी, हरिद्वार काका, बबलू, रुदल, आशिक अली, लम्बू, कल्लू चाचा, मल्ला सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी एवं समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

वन महोत्सव के तहत 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान, बिशुनपुर में पौधरोपण व ग्रीन चौपाल का आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। सामाजिक वानिकी वन प्रभाग सिद्धार्थनगर की बांसी रेंज द्वारा प्राथमिक विद्यालय बिशुनपुर परिसर में श्एक पेड़ मां के नामश वन महोत्सव के अंतर्गत श्आम बहार आपके द्वारश वृक्ष भंडारा एवं ग्रीन चौपाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री एवं विधायक बांसी जय प्रताप सिंह मुख्य अतिथि तथा प्रभागीय वनाधिकारी (डीएफओ) नीला एम. ने अध्यक्षता की। कार्यक्रम के दौरान पूर्व मंत्री जय प्रताप सिंह, डीएफओ नीला एम., प्रधान प्रतिनिधि, भाजपा पदाधिकारियों तथा स्कूली बच्चों ने विद्यालय परिसर में पौधरोपण किया। साथ ही श्आम बहार आपके द्वारश अभियान के तहत विभिन्न प्रजातियों के पौधों का वितरण भी किया गया। जागरूकता गोष्ठी को संबोधित करते हुए जय प्रताप सिंह ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्षारोपण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि आज पर्यावरण असंतुलित हो रहा है

और इसे संतुलित करने में वृक्षों की महत्वपूर्ण भूमिका है। सभी लोगों को अधिक से अधिक पौधे लगाने के साथ–साथ उनके संरक्षण की जिम्मेदारी भी निभानी चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं डीएफओ नीला एम. ने कहा कि पेड़–पौधे मानव जीवन के आधार हैं। उन्होंने कहा कि लोगों में पर्यावरण और वृक्षों के प्रति जागरूकता बढ़ाना समय की आवश्यकता है। जब अधिक से अधिक लोग वृक्षारोपण और उनके संरक्षण के लिए आगे आएंगे, तभी स्वच्छ और स्वस्थ पर्यावरण का निर्माण संभव होगा। कार्यक्रम में क्षेत्रीय वन अधिकारी शिवकुमार गुप्ता ने अतिथियों का स्वागत करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर पूर्व प्राचार्य प्रो. के.पी. त्रिपाठी तथा वरिष्ठ नागरिक इंदल प्रसाद ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में प्रधान प्रतिनिधि विजय कुमार, सहायक अध्यापक अरविंद कुमार, अध्यापिका मुनेश देवी, वन दरोगा संदीप कुमार, प्रदीप कुमार, अमजद खान, वनरक्षक अरुणेश कुमार, अरबाज खान, जगदीश यादव, दिनेश यादव, अर्जुन प्रसाद, अभय सहित वन विभाग के कर्मचारी, क्षेत्रीय नागरिक और बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सिद्धार्थ शंकर ने किया।

डीएम-एसएसपी ने यूपीटेट परीक्षा केंद्रों का किया निरीक्षण, सुरक्षा व्यवस्थाओं का लिया जायजा

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा (UPTET)–2026 के दूसरे दिन प्रथम पाली की परीक्षा को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन ने परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने सबसे पहले जवाहर लाल नेहरू स्मारक इंटर कॉलेज, नौगढ़ परीक्षा केंद्र का निरीक्षण कर परीक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इसके बाद जय किसान इंटर कॉलेज, सकतपुर सनई परीक्षा केंद्र पहुंचकर सीसीटीवी नियंत्रण कक्ष, सुरक्षा व्यवस्था तथा परीक्षा संबंधी व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने परीक्षा केंद्रों पर तैनात अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परीक्षा पूरी तरह निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराई जाए तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। वहीं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस कर्मियों को सतर्कता बरतने के निर्देश दिए, ताकि परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके।

वी-पैक्स शिवपति नगर का डीएम ने किया औचक निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने शुक्रवार को बहुउद्देशीय प्राथमिक ग्रामीण सहकारी समिति लिमिटेड (वी–पैक्स) शिवपति नगर का औचक निरीक्षण कर खाद वितरण व्यवस्था का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने स्टॉक रजिस्टर एवं वितरण रजिस्टर की जांच की। उन्होंने किसानों से फोन पर बातचीत कर खाद वितरण की स्थिति की जानकारी भी प्राप्त की। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि किसानों को निर्धारित मानकों के अनुसार खाद का वितरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि खाद वितरण में किसी भी प्रकार की ओवररेटिंग या टैगिंग की शिकायत नहीं मिलनी चाहिए। यदि किसी प्रकार की अनियमितता पाई गई तो संबंधित के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान जिला कृषि अधिकारी रविशंकर पाण्डेय सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

डीएम ने निजी खाद दुकान का किया औचक निरीक्षण, ओवररेटिंग पर दी सख्त चेतावनी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने शुक्रवार को बर्डपुर स्थित निजी खाद की दुकान ''मेसर्स दामोदर प्रसाद संतोष कुमार'' का औचक निरीक्षण कर खाद वितरण व्यवस्था का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने स्टॉक रजिस्टर एवं वितरण रजिस्टर का मिलान किया। जिन किसानों को खाद वितरित की गई थी, उनसे मोबाइल पर बात कर वितरण की जानकारी भी ली। जिलाधिकारी ने दुकान संचालक को निर्देश दिए कि किसानों को निर्धारित दर पर ही खाद की बिक्री की जाए तथा किसी भी प्रकार की ओवररेटिंग या टैगिंग न की जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि खाद वितरण रजिस्टर में किसानों के आधार नंबर के साथ उनका मोबाइल नंबर भी अनिवार्य रूप से दर्ज किया जाए। निरीक्षण के दौरान एडीओ कृषि, बर्डपुर द्वारा खाद दुकानों का निरीक्षण न किए जाने पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने जिला कृषि अधिकारी को संबंधित अधिकारी के विरुद्ध नोटिस जारी करने तथा निरीक्षण आख्या प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिला कृषि अधिकारी रविशंकर पाण्डेय सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

डीएम ने कालानमक धान की खेती का किया निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने बर्डपुर विकास खंड के ग्राम पंचायत बर्डपुर नं.–6, टोला नोनहवा निवासी किसान जयराम के खेत का निरीक्षण कर कालानमक धान की खेती का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान किसान द्वारा कालानमक धान की प्रजाति ''केएन–1'' सहित अन्य प्रजातियों की रोपाई की जा रही थी। जिलाधिकारी ने किसान से खेती की लागत, उत्पादन और आय की जानकारी प्राप्त की। किसान जयराम ने बताया कि वर्ष 2025 में उन्होंने 2 हेक्टेयर क्षेत्र में कालानमक धान की खेती की थी, जिसमें लगभग एक लाख रुपये की लागत आई। फसल से प्राप्त चावल की बिक्री से करीब 4.40 लाख रुपये की आय हुई और लगभग 3.40 लाख रुपये का शुद्ध लाभ मिला। इसी लाभ से उन्होंने एक छोटा ट्रैक्टर भी खरीदा। किसान ने बताया कि अच्छी आय को देखते हुए इस वर्ष उन्होंने कालानमक धान का रकबा बढ़ाकर 4 हेक्टेयर कर दिया है, जहां रोपाई का कार्य जारी है।

सम्पादकीय

जिसे अविलंब दूर करने की भी जरूरत है। इस वैकल्पिक ईंधन की सहज उपलब्धता के साथ ही इंफ्रास्ट्रक्चर व गाड़ियों को इसके अनुरूप बनाना, वैकल्पिक ईंधन की गुणवत्ता के मानकों का निर्धारण तथा इससे जुड़े तकनीकी प्रशिक्षण में सुधार किया जाना चाहिए। इस तथ्य को नकारा नहीं जा सकता कि बॉयोफ्यूल इतनी जल्दी फश्चसिल फ्यूल का विकल्प नहीं बन सकता। इस बाबत पर्याप्त तैयारी...

पहले हितधारकों की चिंताओं को दूर कीजिए

खाड़ी युद्ध के चलते उपजे ईंधन संकट ने भारत समेत पूरी दुनिया को सबक दिए हैं कि देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिये नये विकल्प तलाशे जाएं। भारत जैसे देश के लिये तो यह बड़ी चुनौती है क्योंकि हम पूरी तरह कच्चे तेल व गैस के लिये विदेशी संसाधनों पर ही निर्भर हैं। जिससे संकटपूर्ण स्थितियों में न केवल महंगाई बढ़ती है बल्कि हमारी दुर्लभ विदेशी मुद्रा भी दांव पर लगती है। ऐसे ही संकट से जूझने के लिये देश ने इथेनॉल के विकल्प पर गंभीरता से विचार किया। देश में पहले ही सामान्य पेट्रोल में बीस फीसदी इथेनॉल मिलाया जा रहा है। देश में विदेशी मुद्रा की बचत व आत्मनिर्भरता की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण पहल है। हाल ही में फ्लेक्स–फ्यूल गाड़ियों के लिये ज्यादा इथेनॉल वाले ई–85 फ्यूल उपलब्ध कराया गया। लेकिन अभी भी उपभोक्ताओं और ऑटोमोटिव इंडस्ट्री के बीच कई मुद्दों को लेकर चिंताएं बनी हुई हैं। दरअसल,ये वाहन ई–85 यानी 85 फीसदी इथेनॉल और 15 फीसदी पेट्रोल तथा ई–100 यानी शुद्ध इथेनॉल वाले मिश्रण पर चलने के लिये डिजाइन किये गए हैं। जबकि पेट्रोल से चलने वाली सामान्य गाड़ियां ई–20 यानी बीस फीसदी इथेनॉल और 80 फीसदी पेट्रोल के अनुकूल होती हैं। दरअसल, चुनिंदा आउटलेट्स पर ई–85 उपलब्ध कराने का निर्णय आयातित कच्चे तेल पर निर्भरता कम करने के मकसद से लिया गया है। यह एक हकीकत है कि आज भी देश का नब्बे फीसदी कच्चा तेल आयातित किया जा रहा है। दुनियाभर में गाहे–बगाहे पैदा होने वाले भू–राजनीतिक संकटों ने बार–बार देश के ऊर्जा इकोसिस्टम की खामियों को ही उजागर किया है। इसमें दो राय नहीं है कि फ्लेक्स–फ्यूल गाड़ियों के लिये इथेनॉल को मुख्य ईंधन के रूप से बढ़ावा देने का मकसद ऊर्जा जरूरतों में आत्मनिर्भरता हासिल करने की दिशा में बढ़ना है। वहीं दूसरी ओर इसके उपयोग से हम ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में भी कमी ला सकते हैं। निश्चय ही वाहनों में इथेनॉल को बढ़ावा देना देश में आयातित कच्चे तेल के दबाव को कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। लेकिन इस बदलाव को सिरे चढ़ाने के लिए बहुत सोच–समझकर आगे बढ़ना चाहिए, जिससे लोगों की आशंकाएं दूर हो सकें। जरूरत लोगों का भरोसा हासिल करने की है। भारत में इथेनॉल मिले तेल के उपयोग ने इससे होने वाले तमाम फायदों को साबित किया है। इससे काफी विदेशी मुद्रा की बचत भी हुई है। साथ ही देश में इथेनॉल का सशक्त उद्योग विकसित हुआ है। यदि बाजार में इथेनॉल पर लोगों का भरोसा बढ़ता है और इसकी मांग बढ़ती है तो इससे किसानों को कमाई के नये अवसर मिल सकते हैं। इथेनॉल की ज्यादा मांग होने पर गन्ने और मक्का का बाजार विस्तार लेगा। वहीं दूसरी ओर ई–85 की कीमत पारंपरिक पेट्रोल के मुकाबले कम रखने के फैसले से, उन उपभोक्ताओं को फायदा हो सकता है, जिनके पास इसके अनुकूल गाड़ियां है। भले ही इस फ्यूल की ईंधन दक्षता कम हो, लेकिन यह कदम देश की अर्थव्यवस्था को संबल देगा। बहरहाल, इस उम्मीद के साथ ही, हमें हकीकत का भी ध्यान रखना है। दरअसल, ऑटोमोबाइल बनाने वाली कंपनियों ने इंजन की क्षमता, जंग लगने, ईंधन सिस्टम पर प्रभाव और इसकी दीर्घकालिक क्षमता को लेकर चिंताएं जतायी हैं। निस्संदेह, इन मुद्दों को सीधे खारिज करने के बजाय इन पर गंभीर रूप से मंथन करना चाहिए। अगर इन मुद्दों का निराकरण नहीं होता है तो भ्रम व संशय की स्थिति बनी रहेगी। जिसे अविलंब दूर करने की भी जरूरत है। इस वैकल्पिक ईंधन की सहज उपलब्धता के साथ ही इंफ्रास्ट्रक्चर व गाड़ियों को इसके अनुरूप बनाना, वैकल्पिक ईंधन की गुणवत्ता के मानकों का निर्धारण तथा इससे जुड़े तकनीकी प्रशिक्षण में सुधार किया जाना चाहिए। इस तथ्य को नकारा नहीं जा सकता कि बॉयोफ्यूल इतनी जल्दी फॉसिल फ्यूल का विकल्प नहीं बन सकता। इस बाबत पर्याप्त तैयारी, पारदर्शिता और सभी हितधारकों का सहयोग लेना जरूरी है। इस मामले में जल्दबाजी करने से बचा जाना चाहिए। यदि हम सजगता व सतर्कता से आगे बढ़ते हैं तो ई–85 एक सफल मॉडल बन सकता है। अन्यथा हम एक अच्छा मौका चूक सकते हैं।

सरकार की आंख के तारे, करें हरदम वारे–न्यारे

सरकार को सरकाने की सारी जिम्म्मेदारी जिसकी होती है, उसे सरकारी कर्मचारी कहते हैं। सरकारी कर्मचारी, सरकार को हवा का पर्यायवाची मानता है, इसलिए जिस तरफ हवा चलती है, उसी तरफ पीठ कर लेता है। सरकार को सरकाने की सारी जिम्म्मेदारी जिसकी होती है, उसे सरकारी कर्मचारी कहते हैं। सरकारी कर्मचारी, सरकार को हवा का पर्यायवाची मानता है, इसलिए जिस तरफ हवा चलती है, उसी तरफ पीठ कर लेता है। वायु, वाम–दक्षिण, ऊर्ध्व–अधो... किधर भी चले, वह उसी दिशा में सांस लेता है। कर्मचारी की एक विशेषता यह होती है कि वह सरकार से डरता है। सरकार के विरुद्ध कुछ सुनकर कान बंद कर लेता है। अखबार नहीं पढ़ता क्योंकि उनमें सरकार के खिलाफ भी छपता है। टीवी में वह न्यूज चौनलों को ब्लॉक करके रखता है कि कहीं सरकार देख न ले कि वह सरकार के विरुद्ध समाचारों देख रहा है। वह सरकार का दिया खाता है, इसलिए ईमानदारी से उसे भी निभाता है। वह व्हाट्सएप समूह में भी जुड़ा है। नियम से गुड मार्निंग के फूल–पत्ती वाले संदेश डालता है। कभी–कभी वह मंत्री जी को माला पहनाते हुए अपनी तस्ध्वीर डालता है। कोई सरकार के खिलाफ संदेश भेजता है तो एडमिन होने के नाते वह उसे डिलीट कर देता है। डिलीट करने से पहले वह बताता, 'यह सरकारी समूह है, इसमें सरकार के खिलाफ लिखना अशोभनीय है। दंडनीय है। अवांछित है... वर्जनीय है... और नहीं क्ध्या–क्ध्या है।' जब कभी उसके अन्य साथी, तनख्वाह बढ़ाने के लिए सरकार के खिलाफ आंदोलन करते हैं, वह आंदोलन में सबसे पीछे चेहरा ढांपकर खड़ा होता है। सरकार के खिलाफ नारे वह मन में भी नहीं लगाता।' कहता है, 'सरकार के खिलाफ सारे आंदोलन, इतवार को होने चाहिए।' वह काली पट्टी भी कमीज के भीतर बांधता है। उसका मानना है कि 'जब सब कि तनख्व्वाह बढ़ेगी तो उसकी भी बढ़ेगी। फिर क्ध्यों सरकार के खिलाफ जाना?' ऐसे कर्मचारी को सरकार बुलाती, 'अमुक कुमार! अब मैं तेरा ट्रांसफर नहीं करूंगी। तू आराम से बिना काम किए तनख्व्वाह उठा। अपना निजी धंधे करते हुए सरकारी नौकरी भी कर। अब तू अपना एक नया संघ बना ले... और मैं जैसा कहूं वैसा मेरा विरोध ा कर।' उसने तत्क्काल एक संगठन बनाया, 'सरकार का प्रबलतम विरोधी संगठन'। उसका वह आजीवन अध्ध्यक्ष बन गया। सरकार ने तत्क्काल उसे मान्य्यता दी। वह सरकार से लड़ने के नाम पर अपने साथियों से चंदा लेने लगा। आज वह, मंत्री का दर्जा प्राप्त सरकारी कर्मचारी नेता है। सरकार ने जैसा उसे दिया वैसा सब को दे।

बेहतर प्रबंधन से दूर हो सकेगा जल संकट

लेकिन केवल समुद्री जल शोधन से भारत की सभी जल समस्याओं का समाधान संभव नहीं होगा। वर्षा जल संचयन, भूजल पुनर्भरण, तालाबों और झीलों का संरक्षण, नदियों की स्वच्छता तथा उपचारित अपशिष्ट जल के पुन: उपयोग को समान प्राथमिकता देनी होगी। दरअसल, भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौती पानी की कमी नहीं, बल्कि जल प्रबंधन की है। हर वर्ष अरबों घन मीटर वर्षा जल बिना उपयोग के समुद्र में चला ...

यदि भारत में उपलब्ध जल का वैज्ञानिक प्रबंधन किया जाए और समुद्री जल शोधन जैसी आधुनिक तकनीकों को साथ जोड़ा जाए, तो आने वाले दशकों में जल संकट की गंभीरता को काफी हद तक कम किया जा सकता है। देश के अनेक शहरों और गांवों में भूजल स्तर लगातार नीचे जा रहा है। नदियां प्रदूषित हो रही हैं, वर्षा का स्वरूप अनिश्चित होता जा रहा है और जलवायु परिवर्तन ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। बढ़ती आबादी, तेजी से हो रहे शहरीकरण और औद्योगिक विकास के कारण पानी की मांग लगातार बढ़ रही है। तीन ओर से समुद्र से घिरे भारत के सामने जल का असीमित भंडार मौजूद है। पृथ्वी पर उपलब्ध कुल जल का लगभग 97 प्रतिशत भाग समुद्रों में खारे पानी के रूप में है, जबकि केवल लगभग 2.5 प्रतिशत जल मीठा है। इसमें भी अधिकांश जल हिमनदों और बर्फ की चादरों में बंद है तथा मानव उपयोग के लिए सीधे उपलब्ध मीठा जल एक प्रतिशत से भी कम है। ऐसे में समुद्री जल को शुद्ध कर उपयोग योग्य बनाना भविष्य की आवश्यकता बनता जा रहा है।

आज आधुनिक विज्ञान की सहायता से समुद्री जल से नमक और अन्य अशुद्धियां हटाकर उसे पेयजल में परिवर्तित किया जा सकता है। इसे समुद्री जल शोधन कहा जाता है। विश्व के अनेक देशों ने इसे अपनी जल सुरक्षा की आधारशिला बना लिया है। भारत के लिए भी अब इस दिशा में गंभीरता से आगे बढ़ने का समय आ गया है। सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कतर, कुवैत,

बहरीन और ओमान जैसे देशों में प्राकृतिक मीठे जल के स्रोत अत्यंत सीमित हैं। वहां वर्षा नगण्य होती है और अधिकांश भूभाग रेगिस्तान है। इसके बावजूद वहां नागरिकों को चौबीसों घंटे सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराया जाता है। इसका मुख्य कारण समुद्री जल शोधन संयंत्र हैं। भारत की स्थिति खाड़ी देशों से अलग अवश्य है, लेकिन चुनौतियां कम नहीं हैं। विश्व की लगभग 18 प्रतिशत आबादी भारत में रहती है, जबकि मीठे जल संसाधनों में उसकी हिस्सेदारी केवल लगभग 4 प्रतिशत है। देश में उपलब्ध मीठे जल का लगभग 80 प्रतिशत उपयोग कृषि क्षेत्र करता है। दूसरी ओर, उद्योगों और शहरों की बढ़ती आवश्यकताओं ने जल संकट को और गहरा कर दिया है। सबसे बड़ी चिंता भूजल का लगातार दोहन है। हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, दिल्ली, गुजरात और तमिलनाडु सहित अनेक राज्यों में भूजल स्तर तेजी से नीचे जा रहा है। कई क्षेत्रों में हर वर्ष लगभग एक मीटर तक जल स्तर गिरने की रिपोर्ट सामने आती रही है। ऐसे समय में समुद्री जल शोधन भारत के लिए एक रणनीतिक विकल्प बन सकता है। देश के पास लगभग 7,516 किलोमीटर लंबी समुद्री तटरेखा है। गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, ओडिशा और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में बड़े पैमाने पर समुद्री जल शोधन परियोजनाएं विकसित की जा सकती हैं। इससे तटीय शहरों की पेयजल आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा पूरा किया जा सकता है और भूजल पर निर्भरता कम होगी। चेन्नई इसका सबसे अच्छा उदाहरण है। आज यह अपने पेयजल का एक महत्वपूर्ण हिस्सा समुद्री जल शोधन संयंत्रों से प्राप्त करता है। गुजरात के दहेज, जामनगर और अन्य औद्योगिक क्षेत्रों में भी इस तकनीक का उपयोग लगातार बढ़ रहा है। हालांकि, यह भी सत्य है कि समुद्री जल शोधन कोई जादुई समाधान नहीं है। इसकी सबसे बड़ी चुनौती लागत है। संयंत्रों की स्थापना, संचालन और रखरखाव पर भारी निवेश की आवश्यकता होती है। इसके अलावा, बड़ी मात्रा में ऊर्जा की भी जरूरत पड़ती है। यदि ऊर्जा का स्रोत जीवाश्म ईंधन हो, तो लागत बढ़ने के साथ–साथ कार्बन उत्सर्जन भी बढ़ता है। आज भारत विश्व के अग्रणी सौर ऊर्जा उत्पादक देशों में शामिल है। राजस्थान, गुजरात, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों में विशाल सौर एवं पवन ऊर्जा क्षमता उपलब्ध है। यदि समुद्री जल शोधन संयंत्रों को नवीकरणीय ऊर्जा से जोड़ा जाए, तो उनकी परिचालन लागत और कार्बन उत्सर्जन दोनों में उल्लेखनीय कमी लाई जा सकती है। एक अन्य चुनौती पर्यावरण संरक्षण की है। समुद्री जल से नमक अलग करने के बाद अत्यधिक खारा अवशेष बचता है। यदि इसे वैज्ञानिक उपचार के बिना समुद्र में छोड़ दिया जाए, तो समुद्री जैव विविधता और पारिस्थितिकी तंत्र प्रभावित हो सकते हैं। इसलिए प्रत्येक नई परियोजना के साथ कठोर पर्यावरणीय मानकों का पालन और आधुनिक अपशिष्ट प्रबंधन व्यवस्था अनिवार्य होनी चाहिए। भारत को इस क्षेत्र में चरणबद्ध रणनीति अपनानी चाहिए। पहले चरण में प्रमुख तटीय शहरों में बड़े समुद्री जल शोधन संयंत्र स्थापित किए जाएं। दूसरे चरण में तटीय औद्योगिक क्षेत्रों को समुद्री जल आधारित जलापूर्ति से जोड़ा जाए, ताकि उद्योगों द्वारा मीठे जल का उपयोग कम हो। तीसरे चरण में पाइपलाइन नेटवर्क विकसित कर निकटवर्ती आंतरिक क्षेत्रों तक भी शुद्ध जल पहुंचाने की व्यवस्था बनाई जा सकती है।

{ मगर सवाल है, क्या हमारी सीमाएं इलेक्ट्रोमैग्नेटिक संचालित रॉकेट प्रणाली से सुरक्षित रहेंगी? चीन के साथ भारत की 4,056 किलोमीटर लंबी सीमा को दशकों से नजरअंदाज किया गया है। समय–समय पर भारतीय अधिकारी इसे अभेद बनाने की आवश्यकता पर बल देते हैं। सत्ता में आने से पहले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, सीमा पर बुनियादी ढांचे के विकास के लिए पिछली सरकार के ... }

दुनिया की छत से इलेक्ट्रॉनिक युद्ध की तैयारी

चीन का मानना है कि 'दुनिया की छत' तिब्बत से लॉन्च किए गए रॉकेट भारत के भीतर तक जा सकते हैं। चीनी एक्सपर्ट्स ने कहा कि इलेक्ट्रोमैग्नेटिक कैटापुल्ट से लॉन्च किया गया रॉकेट पारम्परिक रॉकेट से अधिक स्थिर और अचूक होगा, साथ ही यह अपने भार को गति देने वाली मिसाइल से बहुत सस्ता भी होगा। जो तिब्बत 'दुनिया की छत' के नाम से मशहूर था, अब चीन उसे इलेक्ट्रो मैग्नेटिक मार्ग वाले रॉकेट लॉन्चिंग अधिकेंद्र के रूप में स्थापित कर रहा है। पेइचिंग इंस्टिच्यूट ऑफ स्पेस साइंस के अंतरिक्ष विज्ञानी यू थांग ने पिछले हफ्ते कहा, 'चीन की स्पेस इंडस्ट्री के कुछ बहुत ही साहसी और होनहार युवाओं ने दो दशक से भी ज्यादा समय पहले शिंगहाई–तिब्बत पठार के ऊंचाई वाले और कम हवा वाले इलाकों में इलेक्ट्रोमैग्नेटिक लॉन्च ऑर्बिट बनाने का आइडिया दिया था। अब वो साकार हो रहा है।' इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रॉकेट लॉन्च टेक्नोलॉजी, एक क्रांतिकारी अंतरिक्ष प्रक्षेपण प्रणाली है, जो पारंपरिक केमिकल, ईंधन के बजाय शक्तिशाली चुंबकीय क्षेत्रों (मैग्नेटिक फील्ड) का उपयोग करके रॉकेट या पेलोड को अंतरिक्ष में लॉन्च करती है। यह तकनीक लक्ष्य तक पहुंचने में सटीक है, और अंतरिक्ष यात्रा की लागत को काफी हद तक कम करने की क्षमता रखती है। इस प्रणाली में इलेक्ट्रोमैग्नेटिक ट्रैक (विद्युत चुम्बकीय पटरियों) का उपयोग किया जाता है, जो विद्युत ऊर्जा को गतिज ऊर्जा (कायनेटिक एनर्जी) में बदलती हैं। एक बार आवश्यक गति प्राप्त करने के बाद, पेलोड या छोटा रॉकेट वातावरण में ऊपर की ओर छूट जाता है, और अंतरिक्ष के लिए अपनी यात्रा जारी रखता है। इससे भारी मात्रा में ईंधन की बचत होती है। इसे ध्यान में रखें कि पारंपरिक रॉकेटों के कुल वजन का 80–90 प्रतिशत हिस्सा केवल ईंधन होता है। इलेक्ट्रोमैग्नेटिक लॉन्चर इस ईंधन के भार को खत्म कर देते हैं, जिससे रॉकेट बहुत अधिक पेलोड (उपग्रह या उपकरण) ले जा सकते हैं। यह तकनीक

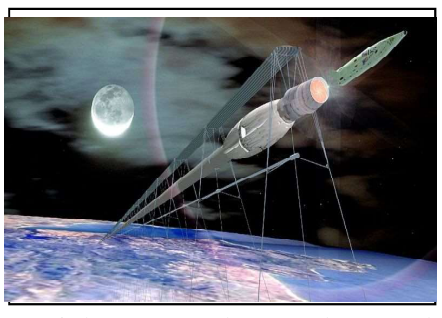

अंतरिक्ष यान को पारंपरिक केमिकल इंजनों की तुलना में कहीं अधिक गति देती है। इससे मंगल ग्रह की यात्रा का समय 8–9 महीने से घटकर केवल 30–60 दिन होने का दावा किया जा रहा है। यह 300 किलोवाट तक की शक्ति पर काम करता है, और हाइड्रोजन के आवेशित कणों (प्रोटॉन और इलेक्ट्रॉन) को 100 किलोमीटर प्रति सेकंड की आश्चर्यजनक गति प्रदान करता है। भारत में इलेक्ट्रोमैग्नेटिक (विद्युत–चुंबकीय) रॉकेट लॉन्च तकनीक अभी भी शुरुआती अनुसंधान और विकास के चरण में है। भारत में इलेक्ट्रोमैग्नेटिक एयरक्राफ्ट लॉन्च सिस्टम (ईएमएएलएस) चीन से काफी पीछे है। चीन फुजियान (टाइप 003) विमान वाहक पर अपने विद्युत चुम्बकीय कैटापुल्ट को सफलतापूर्वक चालू कर चुका है, अमेरिका के बाद ऐसा करने वाला वह दुनिया का दूसरा देश है। पीपल्स लिबरेशन आर्मी की ग्राउंड फोर्स रिसर्च इंस्टिट्यूट में तैनात प्रोफेसर हान ने इसे दुनिया में अपनी तरह का पहला प्रोजेक्ट बताया, और कहा कि यह पूर्व निर्धारित योजना के मुताबिक बड़ी सफलताओं के साथ लगातार चल रहा है। हान ने '4,000 मीटर (13,123 फुट) से ज्यादा ऊंचे पठार से सीधे डेटा इकट्ठा किया है।

उन्होंने इस पर अनुसंधान किया है कि रॉकेट को ज्यादा ऊंचाई वाले माहौल के लिए कैसे ऑप्टिमाइज किया जाए, जहां सर्दियों में तापमान बहुत कम होता है, जिससे हवा का दबाव कम होता है। यह समुद्र तल के प्रेशर का लगभग आधा हो सकता है। इसका मतलब है उड़ान के दौरान हवा का घर्षण कम होता है, और शायद रेंज भी ज्यादा होती है, खासकर तिब्बत जैसे दुनिया की छत पर रॉकेट को और भी ज्यादा पावरफुल हथियार बना देगा।' जियांग चीन के पूर्वी सिचुआन प्रांत का शहर है। 2026 की शुरुआत में जियांग में हाई–टेम्परेचर सुपरकंडक्टिंग नेविगेशन सिस्टम के सफल परीक्षण ने इस टेक्नोलॉजी को हकीकत के करीब ला दिया है। इस प्रोजेक्ट का नेतृत्व 'जियांग कमर्शियल एयरोस्पेस लॉन्च टेक्नोलॉजी रिसर्च इंस्टिट्यूट' के शोधार्थी कर रहे हैं, जो चाइना एयरोस्पेस साइंस एंड इंडस्ट्री कॉरपोरेशन की एक शाखा है। तकनीकी सफलताओं के बावजूद, अभी भी इंजीनियरिंग से जुड़ी बड़ी चुनौतियां बाकी हैं। जियांग फैसिलिटी चीन के पहले इलेक्ट्रोमैग्नेटिक लॉन्च वेरिफिकेशन प्लेटफॉर्म को सक्रिय रूप से चला रही है, जिसका महत्वाकांक्षी लक्ष्य 2028 तक 'इसरो' की तरह व्यावसायिक लांच वाले पैटर्न पर लाना है। अब सवाल है, क्या चीन इस तकनीक का सैन्य इस्तेमाल भी करने के प्रयास में है? चीन विद्युत–चुंबकीय तकनीक का इस्तेमाल मिसाइल और रॉकेट लॉन्चिंग के साथ–साथ इलेक्ट्रॉनिक युद्ध में आक्रामक रूप से कर रहा है। पारंपरिक रासायनिक ईंधन पर निर्भरता कम करने के लिए, चीन इस तकनीक को जीरो–स्टेज बूस्टर के रूप में विकसित कर रहा है। चीन की जियांग कमर्शियल एयरोस्पेस लॉन्च टेक्नोलॉजी रिसर्च इंस्टिट्यूट एक ऐसे सुपरकंडक्टिंग मैग्नेटिक लेविटेशन सिस्टम पर काम कर रही है, जो रॉकेट को जमीन से ही ट्रैक पर बिजली के जरिए सुपरसोनिक गति देने में सक्षम है। इससे रॉकेट के इंजन हवा में बहुत ऊंचाई पर पहुंचने के बाद ही काम करेंगे, जिससे भारी लागत और ईंधन की बचत होगी। मिसाइल तकनीक के साथ चीन उच्च शक्ति वाले माइक्रोवेव (एचपीएम) और ईएमपी हथियारों का निर्माण कर रहा है। चीन ने अंतरिक्ष में मौजूद दुश्मन के सैटेलाइट्स या संचार प्रणालियों को बिना किसी विस्फोट के जाम या नष्ट करने के लिए इलेक्ट्रोमैग्नेटिक तकनीक का उपयोग कर रहा है।

विश्व कप में ओयार्जाबल का डबल धमाका, स्पेन ने ऑस्ट्रिया को रौंदकर क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

मिकेल ओयार्जाबल के दो गोल की मदद से खिताब के प्रबल दावेदार स्पेन ने ऑस्ट्रिया को 3–0 से हराकर 2010 में चौंपियन बनने के बाद पहली बार विश्व कप फुटबॉल के नॉकआउट राउंड में कोई मैच जीता। ओयार्जाबल ने 36वें और 89वें मिनट में गोल किए। इस बीच पेड्रो पोरो ने 66वें मिनट में गोल किया, जिससे स्पेन मौजूदा टूर्नामेंट में अब तक का अपना सबसे प्रभावशाली प्रदर्शन करने में सफल रहा। उसने गेंद पर पूरा नियंत्रण बनाए रखा और अपने आक्रामक और कलात्मक खेल का अच्छा नमूना पेश किया। स्पेन के खिलाफ मौजूदा विश्व कप में अभी तक एक भी गोल नहीं हुआ है। ऑस्ट्रिया की टीम गोल पर एक भी शॉट नहीं लगा पाई। इस तरह से स्पेन के गोलकीपर उनाई साइमन लगातार चौथे मैच में क्लीन शीट (मैच में कोई गोल नहीं खाना) हासिल करने में सफल रहे। ओयार्जाबल ने मैच के बाद कहा, ''मुझे खुशी है कि मैंने

टीम को अगले दौर में पहुंचाने में मदद की। अब थोड़ा आराम करके अगले मैच के लिए तैयार होना है। यह मुश्किल मैच था। हम जानते थे कि एक मजबूत टीम के खिलाफ खेलना कठिन होगा, लेकिन हमारा दिन बहुत अच्छा रहा और हमने अच्छा मैच खेल दिखाया।''

स्पेन का अगला मुकाबला सोमवार को डलास में पुर्तगाल से होगा जिसने एक अन्य मैच में क्रोएशिया को 2–0 से हराया। युवा स्ट्राइकर लामिन यामल भले ही गोल नहीं कर पाए लेकिन उन्होंने अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया। स्पेन ने गोल पर 10 शॉट मारे जिनमें चार शॉट इस 18 वर्षीय खिलाड़ी ने जमाए। सोफी स्टेडियम में खचाखच भरे स्पेन के समर्थकों ने उनका जोरदार उत्साह बढ़ाया। वह 85 मिनट तक मैदान पर रहे जो वर्तमान टूर्नामेंट में किसी मैच में मैदान पर बिताई गई उनकी सर्वाधिक अवधि है। स्पेन की तरफ से ओयार्जाबल ने शानदार खेल दिखाया।

उन्होंने 36वें मिनट में पहला और 89वें मिनट में निर्णायक गोल दागकर इस साल के विश्व कप में अपने गोल की संख्या दोगुनी कर ली। मार्क कुकुरेला ने ओयार्जाबल के दोनों गोल में मदद की। स्पेन के कोच लुइस डे ला फुएंते ने कहा, ''दिग्गज टीमें जरूरत पड़ने पर शानदार प्रदर्शन करती हैं। हमने बेहतरीन प्रदर्शन किया। हम इस मैच में लगभग पूर्णता के करीब थे, लेकिन हमें लगातार सुधार करते रहना होगा। सुधार की गुंजाइश हमेशा रहती है, क्योंकि आने वाले सभी मैच बेहद कठिन होंगे।'' ऑस्ट्रिया के गोलकीपर अलेक्जेंडर श्लागर ने छह बचाव किए। ऑस्ट्रिया ने 1998 के बाद पहली बार विश्व कप के नॉकआउट राउंड में जगह बनाई थी। कई स्टार खिलाड़ियों की मौजूदगी के बावजूद स्पेन अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाया था लेकिन उसने सही समय पर लय हासिल करके फिर से खुद को खिताब का मजबूत दावेदार बना दिया है। पिछले तीन विश्व कप में स्पेन दो बार नॉकआउट चरण में जबकि एक बार ग्रुप चरण में बाहर हो गया था। ऑस्ट्रिया के खिलाफ उसने सतर्क शुरुआत के बाद आक्रामक रवैया अपनाया।

श्लागर ने ओयार्जाबल के निचले शॉट को शानदार तरीके से बचाया लेकिन इसके तीन मिनट बाद स्पेन का खिलाड़ी पेनल्टी क्षेत्र में पहुंचा और कुकुरेला के पास पर गोल दागकर स्पेन को बढ़त दिला दी। इसके बाद इंजरी टाइम में एलेक्स बाएना ने 25 गज की दूरी सेफ्री किक मारी जो क्रॉसबार से टकरा गई, जिसके बाद श्लागर ने यामल के बेहद करीब से लगाए गए शॉट को बचाया। हाफ टाइम के बाद भी स्पेन ने अपना दबाव बनाए रखा।

इसका उसे जल्द ही फायदा मिला जब बाएना ने बायीं तरफ से हमला किया और बिना किसी मार्क (आसपास कोई डिफेंडर नहीं होना) के खड़े पोरो को पास दिया, जिन्होंने जोरदार हेडर मारकर अपना पहला अंतरराष्ट्रीय गोल दाग दिया। इसके बाद ओयार्जाबल ने कुकुरेला के एक और शानदार पास को गोल में बदलकर टूर्नामेंट का अपना चौथा गोल किया और स्पेन की आसान जीत सुनिश्चित की।

भारत बनेगा नया Sports Hub ?

अगले 6 महीने में बैडमिंटन समेत 11 बड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट

भारत में अगले छह महीने में बैडमिंटन विश्व चौम्पियनशिप समेत 11 अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट खेले जाने हैं और खेल मंत्रालय ने बेहतरीन मेजबानी का आश्वासन देते हुए कहा है कि खराब आयोजन जैसी अतीत की घटनाओं का दोहराव नहीं होगा। बैडमिंटन विश्व चौम्पियनशिप 17 अगस्त से इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम पर खेली जायेगी जहां इस साल जनवरी में इंडिया ओपन के दौरान स्वच्छता और रखरखाव से जुड़े मसलों को लेकर विदेशी खिलाड़ियों ने काफी आलोचना की थी। खेल मंत्रालय के एक सूत्र ने कहा ,'' हम यह सुनिश्चित करेंगे कि सभी सुविधायें शीर्ष स्तर की हो। मंत्रालय तैयारियों पर नजर रखे हुए हैं। हम नकारात्मक धारणा को बदलने के लिये काम कर रहे हैं।''

मेजबान के तौर पर भारत की छवि को ठेस पहुंचाने वाले इंडिया ओपन विवाद के बाद मंत्रालय ने भारतीय खेल प्राधिकरण के बुनियादी ढांचे के रखरखाव के लिये प्रोटोकॉल तय किये हैं जिसमें हर तिमाही में स्टेडियमों की मंत्री द्वारा समीक्षा शामिल है। विश्व चौम्पियनशिप से पहले भारत में राष्ट्रमंडल टेबल टेनिस चौम्पियनशिप भी होगी और 28 जुलाई से चार अगस्त तक होने वाले इस टूर्नामेंट में 35 देशों के भाग लेने की उम्मीद है। वहीं भुवनेश्वर में अगस्त में एथलेटिक्स इंडियन ओपन होना है। ओलंपिक 2036 की मेजबानी के इच्छुक भारत में जनवरी 2025 से जून 2026 के बीच 15 से अधिक शहरों में 36 अंतरराष्ट्रीय खेल टूर्नामेंटों का आयोजन किया गया। इसके साथ ही भारत को 2027 से 2028 के बीच 19 अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों की मेजबानी मिली है।

सूत्र ने यह भी बताया कि लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 की तैयारियों का जायजा लेने के लिये खेलमंत्री मनसुख मांडविया अगले सप्ताह राष्ट्रीय खेल महासंघों के प्रतिनिधियों से बैठक करेंगे। सूत्र ने कहा ,'' महासंघों से ओलंपिक के लिये खिलाड़ियों की विदेश में तैयारी की योजनाओं के बारे में पूछा जायेगा। इसका मकसद यही है कि ओलंपिक के लिये तैयारी सुनियोजित और सुगम तरीके से हो सके और इस बार कम से कम 15 पदक भारत की झोली में आयें।

किलियन एम्बाप्पे का 100वां मैच: फीफा वर्ल्ड कप 2026 में फ्रांस की धमाकेदार शुरुआत, रिकॉर्ड जीत

इक्विप डी फ्रांस की ओर से एक्स पर शेयर की गई पोस्ट के अनुसार, फ्रांस के कप्तान किलियन एम्बाप्पे को 100 इंटरनेशनल मैच खेलने की उपलब्धि के लिए सम्मानित किया गया। नेशनल टीम के जश्न के दौरान, फ्रांस के हेड कोच डिडिएर डेसचौम्प्स ने उन्हें एक खास यादगार जर्सी भेंट की, जो इस फॉरवर्ड खिलाड़ी के लिए एक यादगार पल था। श्इक्विप डी फ्रांसश ने प्रेजेंटेशन का एक वीडियो शेयर करते हुए लिखा कि सेंटेनेरियन क्लब में आपका स्वागत है, किलियन एम्बाप्पे को डिडियर डेसचौम्प्स के हाथों श्ब्लूश (फ्रांसीसी टीम) के लिए 100 मैच खेलने के सम्मान में एक बहुत ही खास जर्सी मिली।

यह समारोह ऐसे समय में हुआ जब फ्रांस ने कोच डेसचौम्प्स के लिए कोचिंग से जुड़ी एक बड़ी उपलब्धि का जश्न भी मनायाय वे जीत के मामले में थ्थ्। वर्ल्ड कप के इतिहास के सबसे सफल मैनेजर बन गए हैं। फ्रांसीसी नेशनल टीम ने ग पर पोस्ट किया कि ऐतिहासिक रिकॉर्ड! वर्ल्ड कप में 17 जीत के साथ, डिडियर डेसचौम्प्स इस टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे ज्यादा जीत हासिल करने वाले कोच बन गए हैं। टीम ने यह भी बताया कि फ्रांसीसी फुटबॉल फेडरेशन के प्रेसिडेंट फिलिप डायलो ने इस उपलब्धि को सराहा और उन्हें एक यादगार जर्सी भी भेंट की।

भले ही फरांस 2026 फीफा वर्ल्ड कप के ग्रुप स्टेज में शानदार टीमों में से एक बनकर उभरा हो, लेकिन कप्तान किलियन एम्बाप्पे और हेड कोच डिडियर डेसचौम्प्स का कहना है कि अगर वे फिलाडेल्फिया में शनिवार को होने वाले राउंड ऑफ 16 के मुकाबले में पैराग्वे को कमजोर समझते हैं, तो उनके

शानदार फॉर्म का कोई फायदा नहीं होगा। श्लेस ब्लूजश ने अब तक अपने सभी चार मैच जीते हैं, जिसमें उन्होंने 13 गोल किए हैं और सिर्फ दो गोल खाए हैं। इनमें से 12 गोल एम्बाप्पे, उस्मान डेम्बेले और ब्रैडली बारकोला ने मिलकर किए हैं, जो नॉकआउट राउंड से पहले फ्रांस की जबरदस्त अटैकिंग क्षमता को दिखाता है। इतने शानदार प्रदर्शन के बावजूद, एम्बाप्पे ने जोर देकर कहा कि नॉकआउट दौर एक बिल्कुल अलग चुनौती है। रॉयटर्स के अनुसार, स्वीडन के खिलाफ फ्रांस की 3–0 से जीत में दो गोल करने के बाद एम्बाप्पे ने कहा कि मुझे अच्छी तरह पता है कि दांव पर क्या लगा है, मैं कहाँ हूँ और मुझे क्या करना है। टीम को भी पता है कि यहाँ उन्हें क्या करना है। एक नया मुकघबला शुरू हो रहा है।

जीत के बाद डियोगो जोटा को याद कर भावुक हुए क्रिस्टियानो रोनाल्डो पुर्तगाल ने रचा इतिहास

पुर्तगाल के कप्तान क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने कहा कि टीम अपने दिवंगत साथी खिलाड़ी डियोगो जोटा को ष्सबसे अच्छे तरीके सेष सम्मान देना चाहती थी। यह बात उन्होंने गुरुवार (स्थानीय समय) को थ्थ्। वर्ल्ड कप 2026 के राउंड ऑफ 32 में

क्रोएशिया पर 2–1 की रोमांचक जीत और राउंड ऑफ 16 के लिए क्वालिफाई करने के बाद कही। खास बात यह है कि 3 जुलाई को जोटा के निधन की पहली बरसी है। 2025 में उत्तर–पश्चिमी स्पेन में एक कार दुर्घटना में जोटा और उनके भाई आंद्रे सिल्वा की मौत हो गई थीय उनकी लेम्बोर्गिनी सड़क से उतरकर आग की चपेट में आ गई थी।

इस दुखद घटना ने फुटबॉल की दुनिया को झकझोर कर रख दिया था और पुर्तगाल के इस खिलाड़ी के असमय निधन पर क्लबों, टीम के साथियों, समर्थकों और फुटबॉल संघों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी थी। **ESPN** नीदरलैंड्स ने ग पर एक वीडियो पोस्ट किया है। इसमें पुर्तगाल की क्रोएशिया पर 2–1 से जीत के बाद पत्रकारों से बात करते हुए रोनाल्डो ने कहा कि टीम जोटा की मौत की पहली बरसी पर जीत के जरिए उन्हें सम्मान देना चाहती थी। उन्होंने यह भी कहा कि दिवंगत फॉरवर्ड हमेशा टीम के साथ रहे हैं। **ESPN** नीदरलैंड्स के एक वीडियो में रोनाल्डो ने कहा कि जैसा कि मैंने पहले भी कहा है, हम उन्हें सबसे अच्छे तरीके से सम्मान देना चाहते थे और हमने ऐसा ही किया। जैसा कि आप जानते हैं, उन्हें गुजरे हुए अभी एक साल ही हुआ है। हम उनके लिए भी जीतना चाहते थे और वे हमारे साथ ही रहे हैं। क्रोएशिया के खिलाफ मैच में आखिरी सीटी बजने के बाद रोनाल्डो काफी भावुक दिखे। पुर्तगाल के कप्तान ने मैदान पर लिवरपूल के पूर्व फॉरवर्ड के सम्मान में 21 नंबर की जर्सी दिखाई और उन्हें श्रद्धांजलि दी, जबकि उनके साथी खिलाड़ी भी जोटा को याद करने में उनके साथ शामिल हुए। मैच के बाद रोनाल्डो ने सोशल मीडिया पर एक भावुक मैसेज भी शेयर किया। रोनाल्डो ने इंस्टाग्राम पर टीम की एक तस्वीर के साथ लिखा, ष्हमने अपने लिए, डियोगो के लिए और पुर्तगाल के लिए जीत हासिल की!!! चलो आगे बढ़ें!!!!ष इस तस्वीर में पुर्तगाल की टीम मैच के बाद जोटा की नंबर 21 वाली जर्सी के साथ पोज देती हुई नजर आई। पुर्तगाल ने किक–ऑफ से पहले जोटा को श्रद्धांजलि भी दीय मैच से पहले के कार्यक्रमों के दौरान स्टेडियम में दिवंगत स्ट्राइकर की तस्वीर दिखाई गई।

वेनेजुएला भूकंप के 8 दिन बाद मलबे से जिंदा निकला सुरक्षा गार्ड , दुनिया हैरान

वेनेजुएला में आए दो भीषण भूकंपों के बाद एक ऐसा चमत्कार

हुआ है, जिसे देखकर हर कोई हैरान है। 43 साल के सिक्योरिटी गार्ड हरनान अल्बर्टो गिल फ्लोर्स करीब 140 टन भारी मलबे के नीचे पूरे आठ दिनों तक दबे रहे। इसके बाद चले 100 घंटे के बेहद मुश्किल रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद उन्हें सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। मलबे में तब्दील हो गया था शॉपिंग सेंटरः यह हादसा वेनेजुएला के एक शॉपिंग सेंटर में हुआ, जो भूकंप के कारण पूरी तरह ढह गया था। हरनान वहां नाइट शिफ्ट में सिक्योरिटी गार्ड का काम करते थे। जब 24 जून को 7.2 और 7.5 तीव्रता के दो लगातार भूकंप आए, तब वह एक छोटे सुरक्षा केबिन के अंदर थे। आसपास की पूरी कंक्रीट की बिल्डिंग गिर गई, लेकिन वह छोटा केबिन सही–सलामत रहा, जिसने उन्हें मलबे से बचाए रखा और उन्हें सांस लेने के लिए थोड़ी जगह मिल गई। इमोशनल कर देने वाला पलः जब रेस्क्यू टीम ने कई दिनों की कड़ी मशक्कत के बाद हरनान को स्ट्रेचर पर बाहर निकाला, तो वहां मौजूद सभी लोगों की आंखें नम हो गईं। धूल से सने हरनान को ऑक्सीजन मास्क लगाकर एम्बुलेंस तक ले जाया गया। इस कामयाबी पर अलग–अलग देशों के बचावकर्मी खुशी से झूम उठे। कोस्टा रिका के एक रेस्क्यू वर्कर ने बताया कि जब उन्होंने हरनान को पहली बार ढूंढा, तो हरनान ने उनसे कहा था, ष्मेरी पत्नी को मत बताना कि मैं जिंदा हूं, कहीं ऐसा न हो कि मैं बाहर न आ पाऊं।

जनाजा, कफन और ईरानियों का वलवला, अली खामेनेई को अंतिम विदाई, भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने दी श्रद्धांजलि

एक मंच जिसे फूलों से सजाया गया है। काले कपड़ों में उमड़ा लोगों का हुजूम उस मंच की ओर टकटकी लगाए देख रहा है और नारे ऐसे लग रहे हैं जैसे बेसब्री से किसी का इंतजार किया जा रहा हो। कुछ देर के बाद मंच पर एक ताबूत को लाया जाता है और ताबूत के आते ही लोग सिर्फ उसे छूने मात्र के लिए आगे की ओर बढ़ते हैं। अपने हाथ लंबे करते हैं और बैकग्राउंड में बज रहा है एक शोक संगीत। यह ताबूत किसी और का नहीं बल्कि ईरान के दिवंगत सुप्रीम लीडर इमाम सैयद अयातुल्लाह अली खामनेई का है। खामेनेई की मौत के बाद पहली बार उनके ताबूत को सार्वजनिक स्थान पर लाया गया है। यह देखते ही उनके समर्थकों में शोक की लहर दौड़ पड़ी और अपने दिवंगत रहबर के ताबूत की एक झलक पाने के लिए वे बेताब हैं। जिस शख्स की आवाज दशकों तक ईरान की पहचान बनी रही, आज उसी खामोशी पर पूरा मुल्क नम आंखों से पहरा दे रहा है। आयातुल्लाह अली खामई अब इस दुनिया में नहीं है लेकिन अपने चाहने वालों की यादों, दुआओं और दिलों में वह आज भी जिंदा हैं। तेहरान के सड़कों पर उमड़ा जन सैलाब सिर्फ एक जनाजा नहीं बल्कि अपने रहनुमा को आखिरी सलाम देने के लिए निकला है। हर आंख नम है। हर जुबान पर एक ही दुआ है और हर दिल में बस एक ही एहसास। कुछ शख्सियतें रुखसत होकर भी कभी

रुखसत नहीं होती। 9 जुलाई को खामने के सुपुर्दे खाक की तैयारियों को लेकर ईरान में अभूतपूर्व तैयारियां की गई हैं। राजधानी तेहरान में सुरक्षा के कड़े इंतजामात किए गए हैं और हजारों सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया है। शुक्रवार को तेहरान के ग्रैंड मोसाला में ईरान के पूर्व सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के आधिकारिक राजकीय अंतिम संस्कार समारोह से पहले, भारत के वरिष्ठ गणमान्य व्यक्तियों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। खामेनेई का अंतिम संस्कार (लाइव)रू अधिकारियों ने तेहरान में सभी सरकारी और प्राइवेट दफ्तरों को शनिवार से सोमवार तक बंद रखने का आदेश दिया है। साथ ही, ट्रैफिक पाबंदियों की वजह से शहर के बीच का ज्यादातर हिस्सा प्राइवेट गाड़ियों के लिए बंद रहेगा। तेहरान का एयरस्पेस शुक्रवार से कुछ समय के लिए और सोमवार को पूरी तरह से बंद रहेगा। तेहरान में अंतिम संस्कार की रस्मों के बाद, खामेनेई के शव को इराक के पवित्र शहरों नजफ और कर्बला ले जाया जाएगा। इसके बाद उन्हें 9 जुलाई को उत्तर–पूर्वी ईरान में उनके जन्मस्थान मशहद में इमाम रजा की दरगाह में दफनाया जाएगा। ईरान के दिवंगत सर्वोच्च नेता का अंतिम संस्कार कई दिनों तक चलेगाः दिवंगत अयातुल्ला अली खामेनेई का पार्थिव शरीर शनिवार और रविवार को तेहरान की ग्रैंड मोसाल्ला मस्जिद में अंतिम दर्शन के लिए रखा जाएगा। उनके पार्थिव शरीर को तेहरान की सड़कों पर एक अंतिम यात्रा (फ्यूनरल प्रोसेशन) के जरिए ले जाया जाएगा और फिर शिया धार्मिक शिक्षा के केंद्र शहर श्कोमश ले जाया जाएगा, जो राजधानी से लगभग 120 किलोमीटर दक्षिण में स्थित है। वहाँ मंगलवार को अंतिम संस्कार की रस्में जारी रहेंगी। खामेनेई का पार्थिव शरीर इराक के कर्बला ले जाया जाएगा। कर्बला में पैगंबर मुहम्मद के नवासे इमाम हुसैन का मजार है, जिन्हें शिया मुसलमान प्रतिरोध का प्रतीक मानते हैं। इसी दिन खामेनेई के शासन के खिलाफ हुए विरोध प्रदर्शनों की बरसी भी है, जिनके दौरान सुरक्षा बलों ने हजारों लोगों की जान ले ली थी। कर्बला में रस्मों के बाद, खामेनेई का पार्थिव शरीर ईरान के दूसरे सबसे बड़े शहर मशहद ले जाया जाएगा।

रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान के गार्ड्स प्रमुख युद्ध के बाद पहली बार सबके सामने आए

ईरानी मीडिया द्वारा शुक्रवार को दिखाए गए फुटेज के अनुसार, ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के प्रमुख अहमद वाहिदी ने तेहरान में अली खामेनेई के पार्थिव शरीर के सामने श्रद्धांजलि अर्पित की। मध्य पूर्व में युद्ध शुरू होने के बाद यह उनकी पहली सार्वजनिक उपस्थिति थी। युद्ध की शुरुआत से ही वाहिदी ने खुद को चर्चा से दूर रखा था – शायद इसलिए ताकि वे अपने पूर्ववर्ती की तरह हत्या का शिकार न बनें। फार्स समाचार एजेंसी द्वारा साझा की गई एक तस्वीर में उन्हें ताबूत पर हाथ रखकर प्रार्थना करते हुए देखा गया।

कार्यालय आदर्श नगर पंचायत शोहरतगढ जनपद- सिद्धार्थनगर

अल्पकालीन निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2025–26 हेतु नगर पंचायत शोहरतगढ़, जनपद–सिद्धार्थनगर में पंचम राज्य वित्त / निकाय निधि मद से निकाय सीमान्तर्गत विभिन्न वार्डों में स्थित नाला–नालियों की जमीन तल से साफ–सफाई एवं सिल्ट निकासी कार्य हेतु अधोहस्ताक्षारी द्वारा विभिन्न नियम व शर्तों के अधीन दिनांक रू 14/07/2026, को अपराहन 2:00 बजे तक कार्यालय नगर पंचायत पर सीलबन्द निविदा आमंत्रित किया जाता है, जो उसी दिन अपराहन 4:00 बजे अधोहस्ताक्षरी द्वारा उपस्थित निविदादाताओं अथवा उनके प्रतिनिधियों के उपस्थिति मे खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र दिनांकरू 13/07/2026, तक 500.00 (पॉच सौ मात्र) नगद मूल्य अदा करके कार्यालय नगर पंचायत शोहरतगढ़ से प्राप्त किया जा सकता है।

क्र0 सं0	कार्य का विवरण	आगणन धनराशि (कर सहित)	अर्नेस्टमनी	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1.	नगर पंचायत शोहरतगढ़ के वार्ड नं0–01 से 05 में नाली सफाई का कार्य।	499000.00	8463.00	500.00	कार्यदेश की तिथि से 15 दिवस के अन्दर
2.	नगर पंचायत शोहरतगढ़ के वार्ड नं0–6 से 10 मे नाली सफाई का कार्य।	499000.00	8463.00	500.00	

(अजय कुमार)
अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत- शोहरतगढ
जनपद-सिद्धार्थनगर

(उमा अग्रवाल)
अध्यक्ष
नगर पंचायत- शोहरतगढ
जनपद-सिद्धार्थनगर

पत्रांक :– 180(iii)/आ0 न0पं0शो0/2026–27 | दिनांक–30.06.2026

धान की रोपाई के दौरान दबंगों ने मारपीट कर घायल किया: कार्रवाई की मांग

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। नगर थाना क्षेत्र के पेड़रहिया गांव में धान रोपाई के दौरान कटीले बांस को हटाये जाने के दौरान विवाद और मारपीट का मामला सामने आया है। इस सम्बन्ध में पेड़रहिया निवासिनी विफना देवी पत्नी राम सुरेश गुप्ता ने नगर थाने पर लिखित तहरीर देकर दोषियों के विरूद्ध मुकदमा पंजीकृत कर कार्रवाई और अपने परिवार के जान माल के रक्षा की गुहार लगाया है। नगर थाने को दिये दिये तहरीर में विफना देवी ने कहा है कि वह धान बैठाने के लिये कटीले बांस को हटा रही थी कि विशाल पुत्र रामचन्दर, राम जियावन, ऊषा देवी कुमकुम कुमारी आदि ने गाली गुप्ता देते हुये फावड़ा, सरिया, ईट से मारा पीटा। इस दौरान विफना देवी उनकी बेटी लक्ष्मीना का सर फट गया, आंचल और हिना को गंभीर चोटे आयी। 112 पर फोन करने के बाद पुलिस पहुंची। घायलों को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र कलवारी पहुंचाया गया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुये उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। नगर थाने की पुलिस ने अभी मुकदमा पंजीकृत नहीं किया है। विफना देवी पत्नी राम सुरेश गुप्ता ने दोषियों के विरूद्ध मुकदमा पंजीकृत कराकर कड़ी कार्रवाई की मांग किया है।

सामाजिक कार्यकर्ता अभयदेव शुक्ल ने किया सोशल मीडिया पर ब्राह्मण समाज की मां–बहनों को गाली देने वाले के विरूद्ध कार्रवाई की मांग

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। लालगंज थाना क्षेत्र के थरौली निवासी सामाजिक कार्यकर्ता अभयदेव शुक्ला ने पुलिस अधीक्षक और प्रभारी निरीक्षक कोतवाल को पत्र देकर सोशल मीडिया फेसबुक पर ब्राह्मण समाज की मां–बहनों और बेटियों के प्रति अत्यंत आपत्तिजनक, अश्लील, अपमानजनक टिप्पणियां करने तथा सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने के संबंध में दोषियों के मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की मांग किया है। कोतवाल को दिये पत्र में जन आन्दोलन संघर्ष न्याय मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभयदेव शुक्ला ने कहा है कि फेसबुक समीर जाटव नामक एक फेसबुक प्रोफाइल यूजर द्वारा जानबूझकर द्वेषभावना और सामाजिक वैमनस्य फैलाने के उद्देश्य से अत्यंत घृणास्पद कृत्य किया जा रहा है। काफी खोज बीन करने के बाद पता चल रहा है कि उक्त फेसबुक यूजर आर०के०आर०टी०एन० फर्जी तरीके से फेक आई०डी० बनाकर संचालित एवं आपसी भाई चारे को समाप्त कर धार्मिक उन्माद एवं ब्राहम्ण समाज के मां बहन बेटी के खिलाफ अभद्र और अश्लील टिप्पणी कर रहा है। इससे ब्राहम्ण समाज और महिलाओं में भारी आकोश पैदा हो रहा है। इस यूजर आई०डी० पर जो ष्ैउममत श्रंजंअष् के नाम चलाया जा रहा है इसकी जांच कर बी०एन०एस० की सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर समुचित कार्रवाई की जाय। उक्त फेसबुक यूजर द्वारा मैसेंजर और चौट के माध्यम से पीड़ित पक्ष (हर्षित दुबे) तथा संपूर्ण ब्राह्मण समाज की मां, बहनों और बेटियों के लिए अत्यंत अभद्र, अश्लील, और अमर्यादित भाषा का प्रयोग किया गया है। उसके द्वारा न केवल अत्यधिक अश्लील गालियों का प्रयोग किया गया है, बल्कि एक पोस्टर पर अत्यंत आपत्तिजनक और अपमानजनक शब्द लिखकर उसे प्रसारित किया गया है, जिससे महिलाओं की गरिमा को गंभीर ठेस पहुँची है। यह पोस्ट और संदेशों में जातिसूचक एवं क्षेत्रवार टिप्पणियां करके समाज में दो वर्गों के बीच दुश्मनी, नफरत और वैमनस्य पैदा करने का सुनियोजित प्रयास किया जा रहा है, जिससे जनपद और क्षेत्र की शांति व्यवस्था तथा सामाजिक सौहार्द को गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है। उन्होने मामले में दोषी के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग किया है।

एसपी को पत्र देने के दौरान सामाजिक कार्यकर्ता अभयदेव शुक्ला के साथ कैलाशधर दूबे, सुरेन्द्र कुमार त्रिपाठी, अमित तिवारी, अनिल मिश्र, अजय पाण्डेय, हर्षित दूबे, राजकुमार पाण्डेय, सोनू पाठक, उदय प्रताप आदि शामिल रहे।

बांसी में अवैध खनन पर प्रशासन की कार्रवाई, दो जेसीबी और दो डंपर सीज

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी (सिद्धार्थनगर)। बांसी तहसील क्षेत्र के भगौतापुर गांव में अवैध मिट्टी खनन की सूचना पर प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो जेसीबी मशीन और दो डंपर को मौके से सीज कर दिया। कार्रवाई से अवैध खनन में लगे लोगों में हड़कंप मच गया।जानकारी के अनुसार, क्षेत्र में लंबे समय से रात–दिन जेसीबी और ट्रैक्टर–ट्रॉलियों के माध्यम से अवैध मिट्टी खनन किए जाने की शिकायतें मिल रही थीं। सूचना मिलने पर एसडीएम बांसी शशिधर राय के निर्देश पर नायब तहसीलदार महबूब आलम पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और कार्रवाई की।रीक्षण के दौरान मौके पर अवैध खनन में लगी दो जेसीबी मशीनें और दो डंपर पकड़े गए। प्रशासन ने सभी वाहनों को सीज कर नजदीकी परिसर में खड़ा करा दिया तथा संबंधित लोगों के खिलाफ विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।एसडीएम बांसी ने कहा कि क्षेत्र में अवैध खनन किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे मामलों में लगातार अभियान चलाकर दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

महीने भर में दूसरी बार टावर पर चढ़कर दी कूदने की धमकी, घंटों चला ड्रामा

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। जनपद के कोतवाली नगर क्षेत्र के रेलवे स्टेशन पर शुक्रवार को उस समय अफरा–तफरी मच गई जब तरबगंज के तिवारी बाजार की रहने वाली एक महिला अपने 3 मासूम बच्चों के साथ रेलवे के ऊंचे टावर पर चढ़ गई और कूदने की धमकी देने लगी। महिला का आरोप है कि पति ने उसे छोड़ दिया और 9 साल से संबंध में रहने वाला व्यक्ति भी खाना–खर्च नहीं दे रहा। महिला ने टावर पर चढ़कर चिल्लाते हुए बताया कि उसका पति उसे छोड़कर चला गया है। इसके बाद वह किंन्हौरा गांव निवासी राम इकबाल के साथ पिछले 9 साल से रह रही थी। महिला का आरोप है कि वह राम इकबाल से लगातार खाना–खर्च मांग रही है, लेकिन वह भी देने को तैयार नहीं है। आर्थिक तंगी से परेशान होकर उसने बच्चों सहित जान देने का फैसला किया।यह पहली बार नहीं है जब महिला ने ऐसा कदम उठाया हो।करीब महीने भर पहले यही महिला पूर्व सांसद बृजभूषण सिंह के एक स्कूल के टावर पर भी चढ़ चुकी है। उस समय भी खाना–खर्च को लेकर विवाद बताया गया था। पुलिस ने समझा–बुझाकर तब उसे नीचे उतारा था।घटना की सूचना मिलते ही जीआरपी,आरपीएफ और सिविल पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई।टावर के नीचे भारी भीड़ जमा हो गई। अधिकारी घंटों महिला को समझाने का प्रयास करते रहे, लेकिन वह किसी की बात मानने को तैयार नहीं थी। टावर पर महिला के साथ 3 छोटे बच्चे भी थे, जिससे पुलिस की टेंशन और बढ़ गई। रेल संचालन प्रभावित होने का खतरा मंडराता रहा।पुलिस अधिकारियों का कहना है कि महिला और बच्चों की सुरक्षा पहली प्राथमिकता है। महिला को सुरक्षित नीचे उतारने के बाद पूरे मामले की जांच की जाएगी।राम इकबाल और महिला के पति दोनों से पूछताछ की जाएगी।ऐसे में बड़ा सवाल यह है कि महीने भर में दूसरी बार टावर पर चढ़ने के बाद भी महिला को कोई स्थायी मदद क्यों नहीं मिली? क्या महिला संरक्षण विभाग और चाइल्ड वेलफेयर कमेटी सो रही है?

अभिषेक शुक्ला ने जिला युवा अधिकारी बनकर बढ़ाया मान

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। गौर विकास खण्ड क्षेत्र छितहा शुक्ल निवासी अभिषेक शुक्ला ने संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित परीक्षा में सफलता हासिल किया है। शिवेष ईंट उद्योग करनीपुर एवं शिवेष ट्रेडर्स मनौरी के संचालक श्याम सुंदर शुक्ल के बड़े पुत्र अभिषेक शुक्ला ने कठिन परिश्रम कर यूपीएससी की परीक्षा पास की है। उनका चयन जिला युवा अधिकारी / सहायक निदेशक खेल मंत्रालय के पद पर हुआ है। परीक्षा परिणाम 1 जुलाई 2026 को घोषित हुआ। परिणाम आने के बाद परिवार के लोगों में हर्ष का माहौल है। अभिषेक शुक्ला ने केन्द्रीय विद्यालय में हाई स्कूल और 2013 में इंटरमीडिएट की परीक्षा उत्तीर्ण की। कंप्यूटर साइंस से बीटेक आईआईटी कल्याणी पश्चिम बंगाल से 2019 में पूरा किया। इसके बाद अवध विश्वविद्यालय फैजाबाद से भौतिक से एमएससी की पढ़ाई पूरी की। अभिषेक शुक्ला ने बताया कि धैर्य के साथ सतत प्रयास करने पर एक दिन सफलता जरूर मिलती है। उन्होने अपनी सफलता का श्रेय गुरूजनों, पिता श्याम सुन्दर शुक्ल, माता सत्यभामा शुक्ला, बहन सौम्या शुक्ला, भाई शिवेष शुक्ला और सभी परिजनों और मित्रों को दिया है।

सीओ हर्षिता तिवारी और एसएचओ संदीप द्विवेदी की टीम ने कर दिखाया कमाल, दो मासूम सुरक्षित बरामद

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। बहराइच के थाना विशेश्वरगंज क्षेत्र से लापता हुए दो स्कूली बच्चों को बहराइच पुलिस ने दिल्ली से सकुशल बरामद कर लिया है।प्राप्त जानकारी अनुसार गोधना गांव निवासी करण तिवारी (12) और हर्षित तिवारी (11) गुरुवार सुबह स्कूल के लिए निकले थे। रास्ते में गोधना मोड़ स्थित एक दुकान पर अपनी साइकिल खड़ी करने के बाद दोनों अचानक लापता हो गए थे। देर शाम तक घर न लौटने पर परिजनों ने थाना विशेश्वरगंज में सूचना दी।मामले की जानकारी मिलते ही सीओ पयागपुर हर्षिता तिवारी के निर्देशन में तत्काल मुकदमा दर्ज कर पुलिस टीमों का गठन किया गया। थानाध्यक्ष संदीप द्विवेदी के नेतृत्व में तकनीकी सर्विलांस, सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल लोकेशन और विभिन्न जनपदों की पुलिस से समन्वय स्थापित कर लगातार अभियान चलाया गया।पुलिस की त्वरित और प्रभावी कार्रवाई के दौरान दोनों बच्चों की लोकेशन दिल्ली में मिली, जहां से उन्हें सकुशल बरामद कर लिया गया। बच्चों को वापस लाने के लिए बहराइच पुलिस की टीम परिजनों के साथ दिल्ली रवाना हो गई है।बच्चों के सकुशल मिलने की खबर से परिजनों ने राहत की सांस ली है। इस सफल अभियान की क्षेत्र में व्यापक सराहना हो रही है।

एसपी विश्वजीत श्रीवास्तव ने परीक्षा केंद्र का किया निरीक्षण, नकलविहीन परीक्षा के दिए सख्त निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष, पारदर्शी एवं नकलविहीन ढंग से संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव ने शुक्रवार को किसान डिग्री कॉलेज स्थित परीक्षा केंद्र का औचक निरीक्षण कर सुरक्षा एवं परीक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया।निरीक्षण के दौरान एसपी ने अभ्यर्थियों की प्रवेश प्रक्रिया, पहचान सत्यापन, सुरक्षा जांच, परीक्षा कक्षों, कंट्रोल रूम तथा सीसीटीवी निगरानी व्यवस्था का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने केंद्र व्यवस्थापकों एवं ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों–कर्मचारियों को परीक्षा की शुचिता बनाए रखने, निर्धारित प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन कराने तथा किसी भी प्रकार की अनियमितता मिलने पर तत्काल प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।पुलिस अधीक्षक ने परीक्षा केंद्र पर तैनात पुलिस बल को निर्देशित किया कि परीक्षा अवधि के दौरान नकल माफिया, संदिग्ध व्यक्तियों एवं अन्य अवांछनीय गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जाए। परीक्षा केंद्र के आसपास पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की गई है, जबकि पीआरवी–112 एवं स्थानीय पुलिस लगातार भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था बनाए हुए हैं।निरीक्षण के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक नगर आयुष विक्रम सिंह सहित अन्य पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी भी मौजूद रहे।

पूर्व प्रधान किशोरी लाल विश्वकर्मा के प्रयास रंग लाए, गंभीर हृदय रोगी का सफल अश्वपरेशन

दैनिक बुद्ध का संदेश

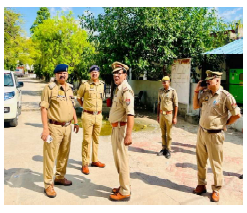

श्रावस्ती। जनपद श्रावस्ती के विकासखंड एवं तहसील जमुनहा क्षेत्र के ग्राम पंचायत बरगदहा निवासी राधेश्याम विश्वकर्मा उर्फ प्रधान ड्राइवर, जो लंबे समय से गंभीर हृदय रोग से पीड़ित थे, उनका लखनऊ स्थित डिवाइन अस्पताल में सफल ऑपरेशन किया गया। ऑपरेशन के बाद मरीज को होश आ गया है और चिकित्सकों ने उनकी स्थिति में सुधार बताया है।बताया गया कि राधेश्याम विश्वकर्मा के हृदय के तीन वाल्व प्रभावित थे। दवाओं से एक वाल्व में सुधार हो गया, जबकि दो वाल्व बदलने पड़े। आर्थिक तंगी के कारण परिवार इलाज कराने में असमर्थ था।ऐसे कठिन समय में पूर्व प्रधान किशोरी लाल विश्वकर्मा ने मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए लगातार प्रयास किए। उनके अथक प्रयासों से आर्थिक सहायता की व्यवस्था कराई गई, जिसके तहत 9 जून को घ्2 लाख की सहायता राशि डिवाइन अस्पताल के खाते में जमा कराई गई। शेष राशि की व्यवस्था भी सहयोग से की गई, जिसके बाद 30 जून को मरीज का सफल ऑपरेशन संपन्न हुआ।ऑपरेशन की सफलता से मरीज के परिवार में खुशी का माहौल है। परिजनों ने पूर्व प्रधान किशोरी लाल विश्वकर्मा एवं सहयोग करने वाले सभी लोगों का आभार व्यक्त किया। सभी ने ईश्वर से राधेश्याम विश्वकर्मा के शीघ्र पूर्ण स्वस्थ होकर अपने परिवार के बीच लौटने की कामना की।

पत्रकारों के हित में सूचना निदेशक की बड़ी पहल, आयुष्मान कार्ड बनवाना हुआ आसान

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। जनपद के पत्रकार बंधुओं की सुविधा एवं कल्याण को ध्यान में रखते हुए सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा महत्वपूर्ण पहल की गई है। अपर जिला सूचना अधिकारी, गोन्डा ने बताया कि सूचना निदेशक विशाल सिंह के निर्देशानुसार अब पत्रकार बंधुओं के लिए आयुष्मान भारत कार्ड प्राप्त करने की प्रक्रिया और अधिक सरल बनाई जा रही है।उन्होंने बताया कि जिन पत्रकार बंधुओं ने आयुष्मान कार्ड के लिए आवेदन किया है, लेकिन किसी कारणवश उनका कार्ड अभी तक नहीं बन पाया है, वे पोर्टल पर अपने आवेदन की स्थिति (स्टेटस) देख सकते हैं। यदि पोर्टल पर उनका नाम प्रदर्शित हो रहा है और किसी प्रकार के संशोधन की आवश्यकता है, तो वे मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय, गोण्डा से संपर्क कर आवश्यक संशोधन करा सकते हैं।अपर जिला सूचना अधिकारी ने बताया कि जिन पत्रकार बंधुओं ने अभी तक आयुष्मान कार्ड के लिए आवेदन नहीं किया है अथवा आवेदन करने के बावजूद उनका कार्ड नहीं बन पाया है, उनकी सुविधा के लिए सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा शीघ्र ही एक नया ऑनलाइन पोर्टल प्रारंभ किया जाएगा। पोर्टल प्रारंभ होने के बाद पत्रकार बंधु अपना आवेदन जिला सूचना कार्यालय,गोन्डा के माध्यम से ऑनलाइन उपलब्ध करा सकेंगे।उन्होंने बताया कि पोर्टल के संचालन की तिथि एवं अन्य आवश्यक दिशा–निर्देश प्राप्त होते ही सभी पत्रकार बंधुओं को तत्काल अवगत कराया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक पात्र पत्रकार इस सुविधा का लाभ प्राप्त कर सकें।

दो ट्रकों की आमने-सामने टक्कर, दोनों चालकों की मौत, एक ही परिवार के पांच लोग घायल

दैनिक बुद्ध का संदेश

श्रावस्ती। जनपद श्रावस्ती के नेशनल हाईवे–730 पर विजईपुर के पास शुक्रवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। लकड़ी से लदे दो ट्रकों की आमने–सामने हुई भीषण टक्कर में दोनों ट्रक चालकों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि टक्कर के बाद एक ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे घर के बाहर सो रहे परिवार चपेट में आ गया।हादसे में पति–पत्नी सहित तीन बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से सभी घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए जिला अस्पताल बहराइच रेफर कर दिया गया। सभी घायलों का इलाज बहराइच में चल रहा है।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों मृतक चालकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे के कारण नेशनल हाईवे–730 पर लंबा जाम लग गया था। पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को हटवाकर यातायात को सुचारु कराया और स्थिति को सामान्य किया।पुलिस द्वारा दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है तथा अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

मां बाराही देवी मंदिर एवं सुखुई नदी के पुनर्जवन की पहल,सुंदरीकरण और संरक्षण पर निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। जनपद की डीएम श्रीमती प्रियंका निरंजन ने तहसील तरबगंज के विकासखण्ड बेलसर अंतर्गत ग्राम पंचायत अकौनी, मुकुन्दपुर तथा मां बाराही देवी मंदिर क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण कर विकास कार्यों की प्रगति एवं गुणवत्ता का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश देते हुए विकास कार्यों में गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया।ग्राम पंचायत अकौनी में वर्ष 2020–21 में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के अंतर्गत निर्मित तालाब का निरीक्षण करने पर उसकी स्थिति संतोषजनक नहीं पाई गई।इस पर जिलाधिकारी ने गहरी नाराजगी व्यक्त की।मौके पर उपस्थित अधिकारियों द्वारा अवगत कराया गया कि तत्कालीन ग्राम पंचायत सचिव श्याम सुंदर,ग्राम विकास अधिकारी द्वारा वर्तमान ग्राम पंचायत सचिव को अभी तक कार्यभार हस्तांतरित नहीं किया गया है।इस गंभीर लापरवाही को संज्ञान में लेते हुए जिलाधिकारी ने जिला विकास अधिकारी को संबंधित ग्राम पंचायत सचिव श्याम सुंदर के निलंबन की कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।इसके उपरांत डीएम ने ग्राम पंचायत मुकुन्दपुर में मनरेगा के अंतर्गत निर्मित तालाब का निरीक्षण किया। उन्होंने ग्राम पंचायत सचिव, ग्राम प्रधान एवं संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि तालाब का समुचित सुंदरीकरण, साफ–सफाई एवं सौंदर्यीकरण कर उसे जनहित के अनुरूप और अधिक उपयोगी बनाया जाए, ताकि ग्रामीणों को इसका अधिकतम लाभ मिल सके।

निरीक्षण के क्रम में जिलाधिकारी ने मां बाराही देवी मंदिर परिसर का भी भ्रमण किया। स्थानीय लोगों ने अवगत कराया कि मंदिर के समीप प्रवाहित सुखुई नदी वर्तमान में विलुप्त होने की स्थिति में है। इस पर जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी तरबगंज एवं खण्ड विकास अधिकारी बेलसर को नदी की साफ–सफाई, अतिक्रमण हटाने,सुंदरीकरण एवं पुनर्जीवन के लिए समन्वित कार्ययोजना तैयार कर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान उपजिलाधिकारी तरबगंज प्रदीप कुमार, जिला विकास अधिकारी आदित्य तिवारी, डीसी मनरेगा जनार्दन प्रसाद, खंड विकास अधिकारी बेलसर रवि कुमार, सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) रवि मिश्रा, जिला आपदा विशेषज्ञ राजेश श्रीवास्तव, संबंधित ग्राम पंचायतों के ग्राम पंचायत सचिव, ग्राम प्रधान एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

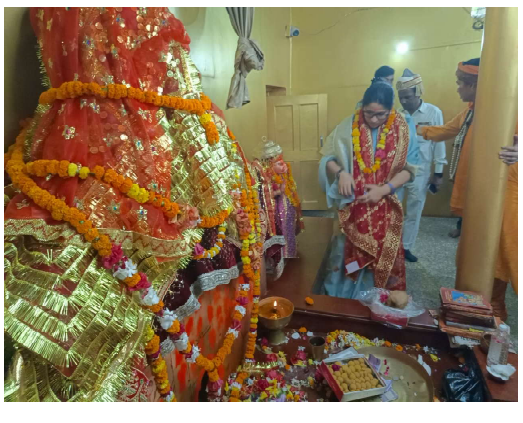

भूमि विवादों के त्वरित निस्तारण में सोनभद्र बना मिसाल: जिलाधिकारी की सतत मॉनिटरिंग से मिली बड़ी सफलता

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र।प्रदेश सरकार द्वारा 1 जून से 30 जून, 2026 तक राजस्व भूमि संबंधी प्रकरणों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए चलाए गए विशेष अभियान के अंतर्गत जनपद सोनभद्र ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ के सतत निर्देशन, दैनिक मॉनिटरिंग एवं प्रभावी कार्यशैली के परिणामस्वरूप राजस्व न्यायालयों में लंबित मामलों के निस्तारण में जनपद ने प्रदेश स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। अभियान के दौरान जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ ने प्रतिदिन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी उपजिलाधिकारियों, तहसीलदारों एवं राजस्व विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर लंबित प्रकरणों के शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। प्रत्येक प्रकरण की नियमित समीक्षा और जवाबदेही तय किए जाने का सकारात्मक परिणाम यह रहा कि परीक्षण हेतु लंबित सभी संदर्भों का निस्तारण कर दिया गया है तथा वर्तमान में जनपद में परीक्षण हेतु लंबित संदर्भों की संख्या शून्य हो गई है। इसी प्रकार चकबंदी न्यायालय में लंबित प्रकरणों का भी पूर्ण निस्तारण कर दिया गया है और वहां भी लंबित मामलों की संख्या शून्य हो गई है। उच्च न्यायालय से संबंधित लंबित प्रकरणों का भी प्रभावी पैरवी एवं समन्वय के माध्यम से निस्तारण सुनिश्चित किया गया, जिससे उनकी संख्या भी शून्य पर पहुंच गई है। राजस्व न्यायालयों में लंबित मामलों की संख्या घटकर मात्र 120 रह गई है, जबकि सिविल न्यायालयों में लंबित प्रकरणों की संख्या घटकर केवल 22 रह गई है। यह उपलब्धि प्रशासन की सतत निगरानी, समयबद्ध कार्रवाई और राजस्व विभाग की सक्रिय कार्यप्रणाली का परिणाम है। अभियान के अंतर्गत पुनर्जीवित किए गए कुल 6,544 प्रकरणों में से अधिकांश का निस्तारण कर दिया गया है तथा अब केवल 580 प्रकरण लंबित हैं, जो मुख्य रूप से ओबरा एवं रॉबर्ट्सगंज तहसीलों से संबंधित हैं। जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि इन शेष प्रकरणों का भी प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करते हुए अभियान की उपलब्धियों को और अधिक सुदृढ़ बनाया जाए। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ के नेतृत्व में जनपद सोनभद्र ने राजस्व मामलों के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण का एक उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है। प्रशासन की निरंतर मॉनिटरिंग, समयबद्ध समीक्षा तथा अधिकारियों की जवाबदेही तय किए जाने से जनपद ने प्रदेश के अन्य जनपदों की तुलना में उल्लेखनीय उपलब्धि अर्जित की है, जो सुशासन और पारदर्शी प्रशासन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

जन चौपाल में जनकल्याणकारी योजनाओं की दी गयी जानकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

करमा/सोनभद्र। विकास खण्ड करमा के बहेरा गांव में शुक्रवार को खण्ड विकास अधिकारी गुरुशरन श्रीवास्तव की

अध्यक्षता में जन चौपाल का आयोजन किया गया। जिसमे उन्होंने शासन द्वारा जारी जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। प्रधान मंत्री आवास योजना, वृद्धा , विधवा दिव्यांग पेंशन, आदि की जानकारी दी।उन्होंने ग्रामीणों की समस्याओं को सुनते हुए उनके निस्तारण के लिए संबंधितों को निर्देशित किया। ग्रामीणों ने पानी की समस्या के मद्देनजर रीबोर कराने ,एवं जल जीवन मिशन के तहत दस ग्रामीणों का नल नहीं लग पाने की शिकायत की गई जिस पर बी, डी, ओ, ने तत्काल अधिशासी अभियंता जल जीवन मिशन से बात कर समस्या का समाधान करने का आश्वासन दिया।उक्त अवसर पर सचिव रोहित कुमार सिंह, विंध्यवासिनी मिश्र लहरी,प्रधान पति धीरज कुमार सिंह, स्मिता,एवं ग्रामीण मौजूद रहे।

पौधारोपण व सामाजिक दायित्व पर विशेष जोर, पीएसपी परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र।जिलाधिकारी चर्चित गौड़ की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट–2023 के अंतर्गत जनपद में प्रस्तावित पम्प्ड स्टोरेज परियोजनाओं (पीएसपी) की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधियों ने अपनी–अपनी परियोजनाओं की अद्यतन प्रगति से अवगत कराया। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि परियोजनाओं के साथ सामाजिक दायित्वों का भी पूरी गंभीरता से निर्वहन किया जाए। उन्होंने परियोजना क्षेत्रों से सटे गांवों के विद्यालयों के कायाकल्प, संपर्क मार्गों की मरम्मत, पेयजल, स्वच्छता एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं के विकास को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए, जिससे स्थानीय ग्रामीणों को विकास का सीधा लाभ मिल सके। उन्होने कहा कि पी0एस0पी0 कम्पनी अपने क्षेत्र के आस–पास सी0एस0आर0 मद से किये जाने वाले विकास कार्यो की एक सप्ताह में कार्य योजना प्रस्तुत करे। जिलाधिकारी ने पर्यावरण संरक्षण पर विशेष बल देते हुए कहा कि सभी पीएसपी परियोजनाओं से जुड़ी कंपनियां पहाड़ी एवं बंजर क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर पौधारोपण करें। उन्होंने बीज बॉल (सीड बॉल) तकनीक के माध्यम से हरियाली बढ़ाने, लगाए गए पौधों के संरक्षण तथा व्यापक वृक्षारोपण अभियान चलाकर हरित सोनभद्र के निर्माण में सक्रिय योगदान देने के निर्देश दिए। बैठक में अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 वागीश कुमार शुक्ल, जीएम डीआईसी विनोद कुमार चौधरी, अपर जिला सूचना अधिकारी विनय कुमार सिंह, उद्यम मित्र नितिन कुमार सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

धार्मिक स्थल पर मां दुर्गा की प्रतिमा खंडित, गांव में तनाव पुलिस–प्रशासन ने संभाला मोर्चा

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। जनपद के हरदी थाना क्षेत्र अंतर्गत कटकुईया गांव

में गुरुवार रात धार्मिक स्थल पर स्थापित मां दुर्गा की प्रतिमा को अराजक तत्वों द्वारा खंडित किए जाने का मामला सामने आया। घटना की जानकारी मिलते ही गांव में आक्रोश फैल गया और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए।सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी तत्काल मौके पर पहुंचे तथा लोगों को शांत कर स्थिति को नियंत्रित किया। क्षेत्राधिकारी (सीओ) पवन कुमार ने घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले की जांच शुरू कराई। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ कर साक्ष्य जुटाने की कार्रवाई भी शुरू कर दी है।घटना की सूचना पर स्थानीय विधायक सुरेश्वर सिंह भी गांव पहुंचे और ग्रामीणों से बातचीत कर पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली। उन्होंने प्रशासन से दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने की मांग की। इस दौरान अखंड प्रताप सिंह सहित कई स्थानीय लोग मौजूद रहे।पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। घटना में शामिल अराजक तत्वों की पहचान कर उन्हें जल्द गिरतार करने के प्रयास किए जा रहे हैं। एहतियात के तौर पर गांव में पुलिस बल तैनात कर स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

उत्तर प्रदेश विद्युत नियामक आयोग ने जारी किया 501 पृष्ठों का टैरिफ आदेश, वर्ष 2026–27 की बिजली दरों और वितरण कंपनियों की वित्तीय व्यवस्था को दी मंजूरी

लखनऊ, । उत्तर प्रदेश विद्युत नियामक आयोग ने राज्य की सभी प्रमुख विद्युत वितरण कंपनियों के लिए वित्तीय वर्ष 2026–27 की वार्षिक राजस्व आवश्यकता, बिजली दरों तथा वित्तीय प्रबंधन से संबंधित विस्तृत आदेश जारी कर दिया है। 501 पृष्ठों के इस आदेश में वर्ष 2024–25 के शुल्क समायोजन, वर्ष 2025–26 की वार्षिक कार्य निष्पादन समीक्षा तथा वर्ष 2026–27 के लिए नई राजस्व आवश्यकता और विद्युत दरों को स्वीकृति प्रदान की गई है।आयोग ने यह आदेश विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 62 एवं 64 के अंतर्गत जारी किया है। यह आदेश दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (आगरा), मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (लखनऊ), पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (मेरठ), पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (वाराणसी) तथा कानपुर विद्युत आपूर्ति कंपनी लिमिटेड की ओर से प्रस्तुत याचिकाओं पर सुनवाई के बाद पारित किया गया।

आदेश में वर्ष 2024–25 के वास्तविक राजस्व एवं व्यय का समायोजन, वर्ष 2025–26 के वित्तीय प्रदर्शन की समीक्षा तथा वर्ष 2026–27 के लिए वितरण कंपनियों की वार्षिक राजस्व आवश्यकता का विस्तृत आकलन किया गया है।

आयोग ने बिजली खरीद व्यय, राज्य के भीतर पारेषण शुल्क, संचालन एवं अनुरक्षण व्यय, पूंजी निवेश, ऋण पर ब्याज, मूल्यह्रास, कार्यशील पूंजी पर ब्याज, बैंकिंग एवं वित्तीय प्रभार, गैर–शुल्क आय, सरकारी अनुदान तथा वितरण कंपनियों के राजस्व अंतर सहित विभिन्न वित्तीय पहलुओं पर विस्तार से निर्णय दिया है।आयोग ने अपने आदेश में बिजली दर निर्धारण से जुड़े विभिन्न विषयों को भी शामिल किया है। इनमें घरेलू, वाणिज्यिक, औद्योगिक तथा अन्य उपभोक्ता श्रेणियों की दरें, हरित ऊर्जा शुल्क, विद्युत चालित वाहनों के चार्जिंग केंद्रों की दरें, मुक्त अभिगम शुल्क, पारगमन शुल्क, क्रॉस–सब्सिडी अधिभार तथा अन्य नियामकीय प्रावधानों का उल्लेख किया गया है।

सार्वजनिक सुनवाई के दौरान उपभोक्ताओं, उद्योग संगठनों तथा अन्य हितधारकों से प्राप्त सुझावों और आपत्तियों पर भी आयोग ने विचार किया। आदेश में बिजली खरीद लागत, वितरण हानियां, बहुमंजिला भवनों को विद्युत आपूर्ति, स्मार्ट मीटर, पूर्वभुगतान मीटर, नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा, विद्युत आपूर्ति संहिता तथा सेवा गुणवत्ता से जुड़े विषयों पर आयोग के निर्णय दर्ज किए गए हैं।

आयोग ने वितरण कंपनियों के लिए वर्ष 2026–27 के दौरान अनुपालन किए जाने वाले अनेक निर्देश भी जारी किए हैं। इनमें वितरण हानियों में कमी लाना, राजस्व संग्रह में सुधार, उपभोक्ता सेवाओं को बेहतर बनाना, स्मार्ट मीटरों का प्रभावी क्रियान्वयन, वित्तीय अनुशासन बनाए रखना तथा बिजली आपूर्ति व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और दक्ष बनाना शामिल है।आदेश के परिशिष्ट में वित्तीय वर्ष 2026–27 की स्वीकृत बिजली दरों की अनुसूची, विभिन्न उपभोक्ता श्रेणियों से प्राप्त होने वाले अनुमानित राजस्व का विवरण, आयोग द्वारा जारी प्रवेश आदेश, सार्वजनिक सूचना, राज्य सलाहकार समिति की कार्यवाही तथा सार्वजनिक सुनवाई में भाग लेने वाले उपभोक्ताओं एवं अन्य हितधारकों की सूची भी शामिल की गई है।उत्तर प्रदेश विद्युत नियामक आयोग का यह आदेश राज्य की पांचों वितरण कंपनियों की वित्तीय व्यवस्था, बिजली दरों के निर्धारण तथा उपभोक्ताओं को दी जाने वाली विद्युत सेवाओं के संचालन के लिए वित्तीय वर्ष 2026–27 का आधार दस्तावेज माना जाएगा।

मुख्यमंत्री ने किया नौवें आम महोत्सव का उद्घाटन, 800 से अधिक किस्मों के आम बने आकर्षण का केंद्र

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित नौवें तीन दिवसीय आम महोत्सव का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने श्आम महोत्सव–2026श की स्मारिका का विमोचन किया तथा प्रगतिशील बागवानों को सम्मानित किया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने महोत्सव के आयोजन में मुख्यमंत्री के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस वर्ष महोत्सव में 800 से अधिक किस्मों के आम प्रदर्शित किए गए हैं, जो बच्चों, युवाओं और आम प्रेमियों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र हैं।उन्होंने बताया कि महोत्सव का आयोजन तीन स्थानों पर किया गया है। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आम प्रदर्शनी, मलिहाबाद के बागों में किसानों के साथ संवाद तथा जनभवन में राज्यपाल की उपस्थिति में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसका उद्देश्य बागवानी को बढ़ावा देना और किसानों की आय में वृद्धि करना है।उद्यान मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार बागवानी क्षेत्र में लगातार नवाचार कर रही है। आम की गुणवत्ता सुधारने के लिए पेपर बैग तकनीक को बढ़ावा दिया गया है। इसके साथ ही कृषि निर्यात को प्रोत्साहित करने के लिए निर्यात प्रोत्साहन बोर्ड का गठन, उच्च तकनीक पौधशालाओं की स्थापना तथा कमल की व्यावसायिक खेती को बढ़ावा देने जैसे अनेक कदम उठाए गए हैं।उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यकाल में उच्च तकनीक पौधशालाओं के माध्यम से वितरित किए जाने वाले पौधों की संख्या 74 लाख से बढ़कर 29 करोड़ तक पहुंच गई है। शहरी क्षेत्रों में छत पर बागवानी को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है, जिससे हरित वातावरण विकसित होगा और कार्बन डाइऑक्साइड के अवशोषण में सहायता मिलेगी।दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री राज्य औद्यानिक विकास योजना तथा मंडल स्तर पर आयोजित उन्नयन गोष्ठियों के माध्यम से औषधीय, फल एवं उच्च मूल्य वाली फसलों की खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि प्रदेश की मात्र 9 प्रतिशत कृषि भूमि पर होने वाली बागवानी फसलों का कृषि उत्पादन में 42 प्रतिशत योगदान है, जबकि 91 प्रतिशत भूमि पर पारंपरिक कृषि का योगदान 58 प्रतिशत है। यह बागवानी क्षेत्र की बढ़ती उत्पादकता का प्रमाण है।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के आम सहित विभिन्न उद्यानिकी उत्पाद अब अमेरिका, ब्रिटेन, संयुक्त अरब अमीरात, मलेशिया, सिंगापुर, कुवैत, न्यूजीलैंड, बेल्जियम, जापान, इटली, कतर, रूस, जर्मनी, मॉरीशस, नीदरलैंड, ओमान, नेपाल, थाईलैंड, बहरीन और स्वीडन सहित अनेक देशों में निर्यात किए जा रहे हैं।उद्यान मंत्री ने बताया कि आम और शहद उत्पादन में उत्तर प्रदेश देश में अग्रणी है। प्रदेश के शहद को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने के लिए श्काशी शहदश के नाम से उसका ब्रांड विकसित किया गया है। इसके अलावा मखाना, खजूर, कमल, स्ट्रॉबेरी और ड्रैगन फ्रूट जैसी नई फसलों की खेती को भी बढ़ावा दिया जा रहा है।उन्होंने कहा कि उद्यान विभाग ने पिछले वर्षों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं और किसानों की आय बढ़ाने के साथ–साथ प्रदेश का गौरव भी बढ़ाया है।कार्यक्रम के अंत में उद्यान मंत्री ने बताया कि लखनऊ के अलीगंज क्षेत्र में हुई दुखद घटना के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए आम महोत्सव के अंतर्गत प्रस्तावित सभी सांस्कृतिक कार्यक्रम निरस्त कर दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि यह निर्णय भारतीय संस्कृति और मानवीय संवेदनाओं के अनुरूप लिया गया है।

संचारी रोग नियंत्रण अभियान के तहत जनपदभर में चला व्यापक स्वच्छता एवं जनजागरूकता अभियान

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र।संचारी रोग नियंत्रण अभियान के अंतर्गत शुक्रवार को जनपद के समस्त विकास खंडों एवं ग्राम पंचायतों में व्यापक स्वच्छता एवं जनजागरूकता अभियान चलाया गया। जिलाधिकारी के निर्देशानुसार उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में विशेष साफ–सफाई अभियान संचालित किया गया, जिसमें सफाईकर्मियों, पंचायत सहायकों, आशा, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं ग्राम प्रधानों की सक्रिय भागीदारी रही। अभियान के दौरान लोगों को संचारी एवं संक्रामक रोगों से बचाव के उपायों के प्रति जागरूक किया गया। अभियान के अंतर्गत जनपद के 207 विद्यालयों में संचारी रोग जागरूकता रैली निकाली गई। 55 ग्रामों में नालियों की सफाई, 102 स्थानों पर झाड़ियों की कटाई, 19 शौचालयों का निर्माण तथा नगर पंचायत क्षेत्रों में 117 स्थानों पर नालियों की सफाई कराई गई। इसके अतिरिक्त 102 हैंडपंपों की मरम्मत, 3 नगरीय वार्डों में फॉगिंग, 21 पशुपालकों को जागरूक करने तथा .तक नियंत्रण के लिए 14 बैठकों का आयोजन किया गया।

श्रावस्ती: साइबर ठगी के 3,500 रुपये पीड़ित के खाते में वापस, साइबर सेल की त्वरित कार्रवाई

दैनिक बुद्ध का संदेश

श्रावस्ती। जनपद श्रावस्ती की साइबर सेल एवं कोतवाली

भिनगा पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए यूपीआई के माध्यम से साइबर ठगी का शिकार हुए एक पीड़ित के 3,500 रुपये उसके बैंक खाते में वापस करा दिए।पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक चन्द्रकेश सिंह के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी साइबर क्राइम आलोक कुमार सिंह के नेतृत्व में प्रभारी निरीक्षक राज प्रकाश सिंह, साइबर सेल प्रभारी उपनिरीक्षक मनोज यादव एवं उनकी टीम ने मनी रिस्टोरेशन मॉड्यूल (एमआरएम) पोर्टल के माध्यम से ठगी की पूरी धनराशि पीड़ित के खाते में वापस कराई।पीड़ित अखंड प्रताप सिंह, निवासी कस्बा भिनगा, ने बताया कि उनके साथ यूपीआई के माध्यम से 3,500 रुपये की साइबर ठगी हुई थी। घटना के बाद उन्होंने राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलते ही साइबर सेल सक्रिय हुई और त्वरित कार्रवाई करते हुए पूरी धनराशि वापस दिलाने में सफलता हासिल की।इस कार्रवाई में प्रभारी निरीक्षक राज प्रकाश सिंह, उपनिरीक्षक मनोज यादव, कांस्टेबल अमरजीत शर्मा तथा कांस्टेबल प्रमोद कुमार की महत्वपूर्ण भूमिका रही।श्रावस्ती पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि यदि किसी भी प्रकार की साइबर ठगी होती है तो बिना देर किए राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 पर कॉल करें या राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं, ताकि समय रहते धनराशि वापस कराई जा सके।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में नौवें तीन दिवसीय आम महोत्सव का उद्घाटन किया और आम महोत्सव 2026 की स्मारिका का विमोचन किया, साथ ही प्रगतिशील बागवानों को सम्मानित भी किया।

लखनऊ (आरएनएस) उत्तर प्रदेश के उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार और कृषि निर्यात राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने महोत्सव के सफल आयोजन में मुख्यमंत्री के सहयोग के लिए उनका आभार व्यक्त किया।उद्यान मंत्री ने बताया कि इस महोत्सव में 800 से अधिक प्रकार के आम प्रदर्शित किए गए, जो बच्चों और अभिभावकों के लिए एक अनूठा अनुभव प्रदान करते हैं।यह महोत्सव तीन स्थानों पर आयोजित किया गयारू इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, मलिहाबाद के बागानों में किसानों के साथ, और जनभवन में राज्यपाल के साथ, जिसका उद्देश्य राज्य के किसानों की समृद्धि और खुशहाली को बढ़ावा देना है।उद्यान विभाग द्वारा किए गए नवाचारों में आम की गुणवत्ता सुधारने के लिए पेपर बैग तकनीक का उपयोग, निर्यात प्रोत्साहन बोर्ड का गठन, हाई–टेक नर्सरी की स्थापना, और कमल की खेती को बढ़ावा देना शामिल है।उद्यान मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री के कार्यकाल में हाई–टेक नर्सरी के माध्यम से दिए जाने वाले पौधों की संख्या 74 लाख से बढ़कर 29 करोड़ हो गई है।शहरी क्षेत्रों में छत पर बागवानी (रूफ टॉप गार्डनिंग) को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया गया है, जो शहरों में घटती कृषि भूमि के बीच सकारात्मक ऊर्जा और कार्बन डाइऑक्साइड के अवशोषण में मदद करेगा।मुख्यमंत्री राज्य औद्यानिक विकास योजनाश और मंडल स्तर पर औद्योगिक उन्नयन गोष्ठियां आयोजित की गईं, जिससे कम क्षेत्रफल में अधिक मूल्य की फसलों, जैसे औषधीय फसलों, को बढ़ावा मिल सके।उद्यान विभाग की मेहनत और प्रयासों के कारण, राज्य की 9: भूमि पर औद्यानिक फसलों का उत्पादन 42: तक पहुँच गया है, जबकि कृषि विभाग की 91: भूमि पर 58: की हिस्सेदारी है।उत्तर प्रदेश के औद्यानिक उत्पाद अमेरिका, ब्रिटेन, अरब, मलेशिया, सिंगापुर, कुवैत, न्यूजीलैंड, बेल्जियम, जापान, इटली, कतर, रूस, जर्मनी, मॉरीशस, नीदरलैंड, ओमान, नेपाल, थाईलैंड, बहरीन और स्वीडन जैसे देशों तक पहुँच रहे हैं। भारत में आम और शहद के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश सर्वाधिक उपज देता है। शहद की ब्रांडिंग श्काशी शहदश के नाम से की गई है, जिसका लक्ष्य अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाना है।

जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने यू0पी0 टी0ई0टी0 परीक्षा केंद्रों का किये निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र।उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा यू0पी0 टी0ई0टी0 के सफल एवं सकुशल आयोजन के .ष्टिगत जिलाधिकारी चर्चित

गौड़ एवं पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा ने भ्रमणशील रहकर आदर्श इंटर मीडिएट कॉलेज, रॉबर्ट्सगंज स्थित परीक्षा केंद्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने परीक्षा केंद्र की सुरक्षा व्यवस्था, प्रवेश प्रक्रिया, अभ्यर्थियों की सघन जांच, सीसीटीवी निगरानी, परीक्षा कक्षों तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का गहन जायजा लिया। अधिकारियों ने केंद्र व्यवस्थापक एवं संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि शासन की मंशा के अनुरूप परीक्षा पूर्णतः निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराई जाए तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि परीक्षा की शुचिता बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी अधिकारी एवं कर्मचारी पूरी सतर्कता एवं जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें, ताकि प्रत्येक अभ्यर्थी को निष्पक्ष एवं सुरक्षित परीक्षा वातावरण उपलब्ध हो सके। पुलिस अधीक्षक ने भी सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते हुए पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती एवं सतत निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक:– श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक– राजेश कुमार शर्मा
आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458 9415163471, 9453824459 दैनिक बुद्ध का संदेश 9795951917,9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

जन नायकन को सीबीएफसी से मिली मंजूरी! जल्द सिनेमाघरों में दस्तक देगी विजय की आखिरी फिल्म

तमिलनाडु के सीएम विजय की आखिरी फिल्म श्जन नायकन्च की रिलीज का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. पहले इसे 9 जनवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाना था, हालांकि इसकी रिलीज डेट सीबीएफसी सर्टिफिकेशन इश्यू की वजह से टलती रही थी. लेकिन अब फैंस के लिए गुड न्यूज है. दरअसल खबरें हैं कि ये फिल्म जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है. चलिए जानते हैं ये कब थिएटर में दस्तक देगी?

रिपोर्ट के मुताबिक, जना नायकन को ए सर्टिफिकेट मिल गया है, जिससे इसकी अब इसकी रिलीज का रास्ता साफ हो गया है. इससे पहले, फिल्म के सर्टिफेकेशन प्रोसेस में मुश्किलें आ गई थीं क्योंकि सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन ने मंजूरी देने के बजाय दोबारा जांच की मांग की थी. इसके बाद प्रोडक्शन हाउस ने सीबीएफसी के इस फैसले को कोर्ट में चुनौती दी थी, लेकिन बाद में केस वापस ले लिया और रिव्यू प्रोसेस का रास्ता चुना.

वहीं सेंसर से मंजूरी मिलने की खबर के बाद, इंडस्ट्री के जानकारों का मानना है कि मेकर्स जल्द ही फिल्म की थिएटर रिलीज की अनाउंसमेंट कर सकते हैं.

रिपोर्ट के मुताबिक एच विनोथ के निर्देशन में बनी यह फिल्म जुलाई 2026 में रिलीज हो सकती है. खबरों के मुताबिक, जन नायकन के प्रोड्यूसर्स अभी 16 जुलाई को फिल्म रिलीज करने का प्लान बना रहे हैं. हालांकि, अगर यह तारीख मुमकिन नहीं हुई, तो 23 जुलाई पर भी विचार किया जा रहा है. विजय की इस फिल्म के लिए 31 जुलाई की तारीख भी एक ऑप्शन हो सकती है, लेकिन इस पर अभी पक्का कुछ नहीं कहा जा सकता क्योंकि उसी दिन उनके बेटे जेसन संजय की डायरेक्टोरियल डेब्यू फिल्म सिग्मा भी रिलीज हो रही है.

वहीं अगर जुलाई में रिलीज मुमकिन नहीं हुई, तो जना नायकन के मेकर्स 7 अगस्त का प्लान बना सकते हैं, क्योंकि ये स्लॉट खाली है. यानी इस दिन कोई बड़ी फिल्म रिलीज नहीं हो रही है. हालांकि जन नायकन की रिलीज डेट के बारे में प्रोड्यूसर्स की तरफ से अभी कोई ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं हुई है.

जन नायकन का बजट 350 करोड़ से 380 करोड़ के बीच बताया जा रहा है. यानी थलपति विजय की ये काफी मोटी लागत में बनी है. वहीं ये तमिल की सबसे ज्यादा एक्सपेंसिव फिल्मों में से एक बताई जा रही है. गौरतलब है कि इस फिल्म से थलपति विजय की फीस ही 220 से 250 करोड़ के करीब बताई जा रही है.

जन नायकन विजय के करियर का एक अहम प्रोजेक्ट है और यह उनकी आखिरी फिल्म भी है, क्योंकि इसके बाद वे पूरी तरह से राजनीति में उतर गए. एच. विनोथ के निर्देशन में बनी इस फिल्म में पूजा हेगड़े मुख्य अभिनेत्री की भूमिका में हैं. वहीं सपोर्टिंग कलाकारों में बॉबी देओल, गौतम वासुदेव मेनन, प्रकाश राज, प्रियामणि, ममिता बैजू, नारायण और कई अन्य शामिल हैं. इसका म्यूजिक अनिरुद्ध रविचंदर ने दिया है.

शनाया कपूर दक्षिण सिनेमा में जमाएंगी पैर? फिल्म जॉम्बी रेड्डी के सीक्वल से जुड़ने की चर्चा

शनाया कपूर के लिए बॉलीवुड का सफर कुछ खास साबित नहीं हुआ। उनकी डेब्यू फिल्म आंखों की गुस्ताखियां (2025) फ्लॉप निकल गई। आदर्श गौरव के साथ सर्वाइवल फिल्म तू या

मैं भी बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिर गई। ताजा अपडेट है कि अभिनेत्री तीसरी फिल्म के लिए दक्षिण सिनेमा का रुख करने की तैयारी कर रही हैं। साल 2021 की जॉम्बी कॉमेडी फिल्म जॉम्बी रेड्डी के सीक्वल से अभिनेत्री तेलुगु फिल्म जगत में डेब्यू कर सकती हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, जॉम्बी रेड्डी के सीक्वल में शनाया के साथ तेजा सज्जा मुख्य किरदार में नजर आएंगे। तेजा को हनु–मान (2024) और मिराई (2025) जैसी फिल्मों ने जबरदस्त सफलता दिलाई है। बताया जा रहा है कि अभिनेत्री ने फिल्म की शूटिंग का एक छोटा शेड्यूल भी पूरा कर लिया है। हालांकि परियोजना से जुड़ी आधिकारिक घोषणा अब तक नही की गई है। यह अलग बात है कि शनाया के फैंस उनके साउथ में डेब्यू को लेकर बेहद उत्साहित हैं। यह पहली दफा नहीं है, जब शनाया का नाम साउथ की किसी फिल्म से जुड़ रहा हो। इससे पहले, उन्हें मोहनलाल की फिल्म वृषभा में शामिल करने का ऐलान किया गया था। नंद किशोर के निर्देशन में बन रही इस परियोजना को एकता कपूर के प्रोडक्शन का समर्थन मिला था। शनाया इस पैन–इंडिया फिल्म की शूटिंग के शुरुआती चरण में शामिल भी हुई थीं, लेकिन फिर खबरें आईं कि तारीख संबंधी समस्याओं के कारण वह फिल्म से अलग हो गईं।

मां इंटि बंगारम ने तोड़ा 17 साल पुराना रिकॉर्ड, बनी हाईएस्ट ग्रॉसिंग फीमेल लीड तेलुगू फिल्म

सामंथा रुथ प्रभु ने बॉक्स ऑफिस पर वो कर दिखाया है, जिसकी कल्पना शायद ही किसी ने की थी। उनकी हालिया रिलीज फिल्म मां इंटी बंगारम सिनेमाघरों में ऐसी आंधी लाई कि तेलुगू सिनेमा का 17 साल पुराना एक महा–रिकॉर्ड ताश के पत्तों की तरह ढह गया। इसने अनुष्का शेट्टी की साल 2009 की ब्लॉकबस्टर अरुंधति को पछाड़कर इतिहास रच दिया है। अब सामंथा की ये फिल्म सबसे ज्यादा कमाई करने वाली तेलूगू महिला प्रधान फिल्म बन गई है।

सामंथा की फिल्म मां इंटी बंगारम से पहले अनुष्का शेट्टी की 2009 में आई फिल्म अरुंधति को तेलुगू सिनेमा में महिला–प्रधान फिल्मों के लिए सबसे बड़ा पैमाना माना जाता था। उस दौर में, जहां सिर्फ अभिनेताओं का बोलबाला था, अनुष्का ने अपनी दमदार और अनोखी भूमिकाओं से इंडस्ट्री में एक खास पहचान बनाई थी, लेकिन अब सामंथा की मां इंटी बंगारम ने अनुष्का के उस 17 साल पुराने ऐतिहासिक रिकॉर्ड को पूरी तरह से तोड़ दिया है।

सामंथा की ये फिल्म 19 जून को रिलीज हुई थी। इसने दुनियाभर में 83 करोड़ और भारत में 50 करोड़ की बंपर कमाई कर ली है। इसके साथ ही ये तेलुगू सिनेमा के इतिहास में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली महिला–प्रधान फिल्म बन गई है। सामंथा के प्रोडक्शन हाउस त्रालाला मूविंग पिक्चर्स ने इस ऐतिहासिक सफलता की पुष्टि की है, जिसके बाद से प्रशंसक बेहद गर्व के साथ सामंथा को क्वीन और सुपरस्टार कहकर बधाई दे रहे हैं।

कोडी रामकृष्ण की फिल्म अरुंधति ने अनुष्का शेट्टी के दम पर दुनियाभर में 70 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई कर लंबे समय तक सबसे ज्यादा कमाई करने वाली महिला–प्रधान तेलुगू फिल्म का रिकॉर्ड अपने नाम रखा। अब मां इंटी बंगारम ने ये रिकॉर्ड तोड़ दिया है। हालांकि, महानती ने 75 करोड़ से ज्यादा कमाई की थी, लेकिन उसमें कीर्ति सुरेश के साथ दुलकर सलमान, सामंथा और विजय देवरकोंडा समेत कई बड़े सितारे भी अहम भूमिकाओं में थे। सामंथा की मां इंटी बंगारम ने सिर्फ तेलुगू सिनेमा में सबसे ज्यादा कमाई करने का रिकॉर्ड बनाया है, वहीं कल्याणी प्रियदर्शन की मलयालम फिल्म लोकाहरू चौप्टर 1– चंद्रा ने न सिर्फ अपनी इंडस्ट्री, बल्कि पूरे साउथ इंडिया (तमिल, तेलुगू, मलयालम और कन्नड़ सबको मिलाकर) में सबसे ज्यादा 300 करोड़ की कमाई करने वाली महिला–प्रधान फिल्म का रिकॉर्ड अपने नाम किया हुआ है यानी सामंथा की फिल्म तेलुगू में नंबर–1 है और लोका पूरे दक्षिण भारतीय सिनेमा में नंबर–1 है।

वेलकम टू द जंगल के आगे हार मानने को तैयार नहीं कॉकटेल 2, 13वें दिन भी खूब छापे नोट

शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना की फिल्म कॉकटेल 2 ने पहले हफ्ते में जमकर कमाई की थी लेकिन दूसरे हफ्तें में एंट्री करते ही इसे अक्षय कुमार की मल्टी स्टारर फिल्म वेलकम टू द जंगल से मुकाबला करना पड़ा. हालांकि नई फिल्म के आने से कॉकटेल 2 की कमाई कुछ खास असर नहीं पडा और ये बॉक्स ऑफिस पर मजबूत बनी हुई है. यहां तक कि दूसरे मंगलवार को तो इसने कमाई में तेजी भी दिखाई थी. चलिए यहां इसके बुधवार यानी छठे दिन का कलेक्शन जानते हैं. क्रिटिक्स और दर्शकों से मिला–जुला रिस्पॉन्स मिलने के बावजूद होमी अदजानिया निर्देशित रोमांटिक एंटरटेनर फिल्म ने सिनेमाघरों में लगातार अच्छा परफॉर्म किया है. लेकिन वीकडेज में इसकी कमाई थोड़ी सुस्त पड़ गई है. खासकर दूसरे बुधवार को यानी 13वें दिन इसके कलेक्शन सबसे ज्यादा मंदी देखी गई फिर भी इसने 1 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन किया है. फिल्म की कमाई की बात करें तो सैकनिल्क के मुताबिक 13.50 करोड़ से खाता खोला था और पहले हफ्ते में 70.50 करोड़ कमाए. इसके बाद इसने 8वें दिन 4 करोड़, 9वें दिन 4.25 करोड़, 10वें दिन 4.40 करोड़, 11वें दिन 1.75 करोड़ और 12वें दिन 1.85 करोड़ कमाए थे.वहीं सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक रिलीज के 13वें दिन यानी दूसरे बुधवार को कॉकटेल 2 ने 1.40 करोड़ कमाए हैं. इसी के साथ इस फिल्म की 13 दिनों की कुल कमाई अब 88.15 करोड़ रुपये हो गई है. कॉकटेल 2 ने आधिकारिक तौर पर कृति और शाहिद की फिल्म तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया के 87 करोड़ के लाइफटाइम कलेक्शन को पार कर लिया है. इसी के साथ ये फिल्म कृति के करियर की 8वीं सबसे बड़ी फिल्म भी बन गई है.

कॉकटेल 2 ने रिलीज के 13 दिनों में भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 88.15 करोड़ का कलेक्शन कर डाला है. अब ये 100 करोड़ के क्लब में शामिल होने की ओर बढ़ रही है. हालांकि इस मील के पत्थर को पार करने के लिए इसे 12 करोड़ के करीब और कमाना होगा. उम्मीद है कि इसकी कमाई में तीसरे वीकेंड पर तेजी आएगी और ये भी संभावना है कि ये 100 करोड़ बन जाए. देखने वाली बात होगी कि घटती कमाई के साथ क्या कॉकटेल 2 ने शतक जड़ पाती है या नहीं.

स्कैल्प सीरम का इस्तेमाल करने से मिल सकते हैं ये फायदे

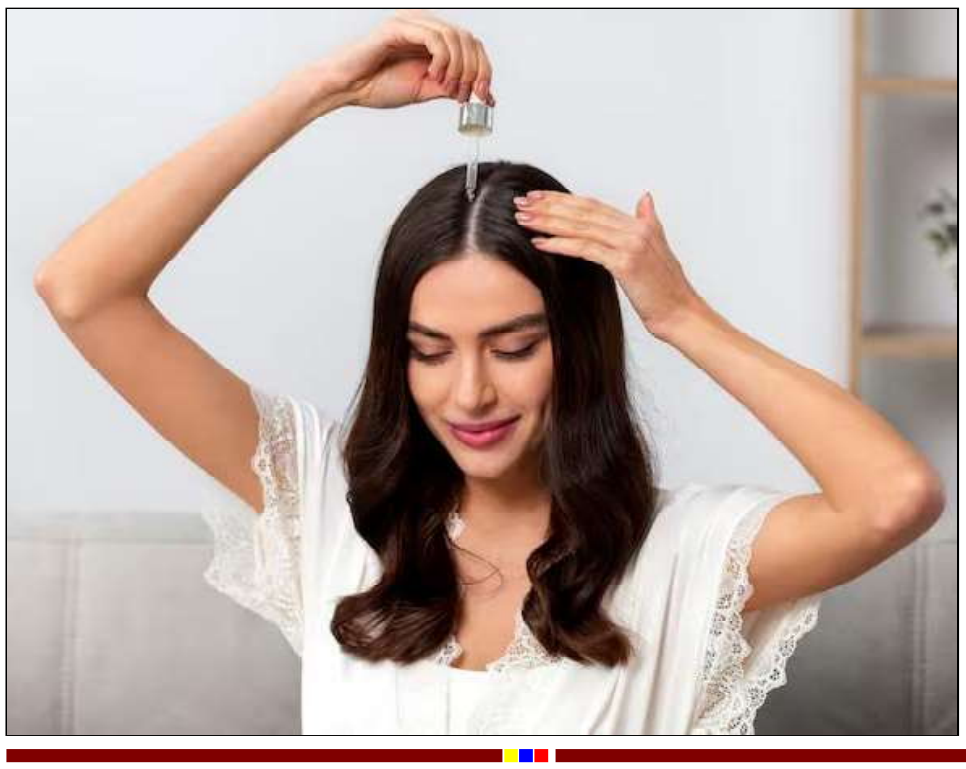

स्कैल्प सीरम एक खास उत्पाद है, जो बालों की जड़ों को मजबूत और स्वस्थ रखने में मदद करता है। यह सीरम बालों की जड़ों तक गहराई से पहुंचता है और उन्हें पोषण देता है। इसके नियमित उपयोग से बालों की गुणवत्ता में सुधार होता है और वे टूटने से बचते हैं। आइए जानते हैं कि स्कैल्प सीरम के इस्तेमाल से क्या–क्या फायदे मिल सकते हैं।

बालों की जड़ों को मिलता है पोषण

स्कैल्प सीरम में मौजूद पोषक तत्व बालों की जड़ों तक पहुंचते हैं और उन्हें जरूरी विटामिन्स और खनिज प्रदान करते हैं। इससे बालों की जड़ों को मजबूती मिलती है और वे टूटने से बचते हैं। नियमित उपयोग से बालों की सेहत में सुधार होता है और वे स्वस्थ दिखते हैं। इसके अलावा सीरम बालों की जड़ों को नमी प्रदान करता है, जिससे वे चमकदार और मुलायम बनते हैं।

डैंड्रफ से मिलेगी छुटकारा

स्कैल्प सीरम डैंड्रफ की समस्या को भी दूर कर सकता है। इसमें मौजूद एंटी–फंगल और एंटी–बैक्टीरियल गुण डैंड्रफ के कारण होने वाले कीटाणुओं को खत्म करते हैं। इसके अलावा यह स्कैल्प की सफाई भी करता है और इसे स्वस्थ बनाए रखता है। नियमित उपयोग से स्कैल्प की नमी बनी रहती है और खुजली की समस्या भी कम होती है। इसके परिणामस्वरूप बालों की जड़ों में मजबूती आती है और वे टूटने से बचते हैं।

बालों का गिरना होगा कम

स्कैल्प सीरम बालों के गिरने की समस्या को कम करने में भी मदद करता है। इसमें मौजूद प्रोटीन और एमिनो एसिड बालों की जड़ों को मजबूत बनाते हैं, जिससे वे गिरते नहीं हैं। इसके अलावा यह रक्त संचार को बढ़ाता है, जिससे बालों की जड़ों तक ऑक्सीजन और पोषक तत्व बेहतर तरीके से पहुंचते हैं। नियमित उपयोग से बालों की मात्रा में सुधार होता है और वे अधिक घने और मजबूत बनते हैं।

नए बालों की होगी वृद्धि

स्कैल्प सीरम नए बालों की वृद्धि को बढ़ावा देने में भी सहायक होता है। इसमें मौजूद प्राकृतिक तेल और जड़ी–बूटियों के तत्व नए बालों की जड़ों तक पहुंचते हुए उन्हें पोषण देते हैं। इसके अलावा यह सीरम बालों की जड़ों को मजबूत बनाता है, जिससे नए बाल तेजी से बढ़ते हैं। नियमित उपयोग से बालों की सेहत में सुधार होता है और वे स्वस्थ दिखते हैं। इसके परिणामस्वरूप बालों की लंबाई और मोटाई में भी वृद्धि होती है।

रूखे और बेजान बालों में आएगी जान

स्कैल्प सीरम रूखे और बेजान बालों में जान डालने में भी मदद करता है। इसमें मौजूद नमी देने वाले तत्व बालों को गहराई से नमी प्रदान करते हुए उन्हें मुलायम बनाते हैं। इसके अलावा यह सीरम बालों को चमकदार बनाता है, जिससे वे स्वस्थ दिखते हैं। इसके नियमित उपयोग से बालों की सेहत में सुधार होता है और वे टूटने से बचते हैं। इन सभी फायदों के लिए स्कैल्प सीरम को अपनी बालों की देखभाल रूटीन में जरूर शामिल करें।